वर्ष : 16 ❖ अंक : 305 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 18 जून 2022

युवाओं के हित में वापस ले 'अग्निपथ' योजना : भगवंत मान 3

झाड़ू का बटन इतना दबाना की खराब हो जाए : केजरीवाल 8

'अग्निपथ' योजना से मजबूत होगी रक्षा प्रणाली : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 17 जून । सेना में भर्ती हेतु नई 'अग्निपथ' योजना लाने के लिये सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से रक्षा प्रणाली मजबूत होगी और युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमिटी ने यह योजना लाने का फैसला लिया जिसमें 17 से 21 आयु वर्ग के योग्य पुरुषों एवं महिलाओं को सभी मापदंडों को पूरा करने के बाद 'अग्निवीर' के तौर पर नियुक्ति दी जायेगी।

मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि इस योजना से पिछले दो वर्षों में सशस्त्र बलों में आयी कमी पूरी होगी और युवाओं को रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि अग्निपथ योजना के चार साल पूरे करने के बाद सिक्किम सरकार अग्निवीरों को विभिन्न पुलिस सेवाओं में सीधी नियुक्ति प्रदान करेगी।

गौरतलब है कि 'अग्निपथ' योजना के पहले चरण में 46,000 पुरुष-महिलाओं की नियुक्ति की जायेगी। वहीं अगले चार वर्षों में सरकार की योजना इस संख्या को बढ़ाकर 59,000 करने की है। चार वर्ष पूरे करने के बाद 'अग्निवीरो' को असम रायफल्स और अर्धसैनिक बलों में नौकरियों में अग्राधिकार दिया जायेगा। वहीं उन्हें आगे शिक्षा प्राप्त करने हेतु ऋण प्राप्त करने में सहायता प्रदान करने के अलावा उच्च शिक्षा क्रेडिट एवं अन्य कोर्सों में भी प्राथमिकता दी जायेगी।

मानव जाति के लिए कृषि पेशा सबसे महान कार्य : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 17 जून । मुख्यमंत्री कृषि आत्मनिर्भर योजना और मुख्यमंत्री पशुधन योजना के अंतर्गत आज रेनॉक गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में राज्य के कृषि, बागवानी, पशुपालन विभाग और सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, रेनॉक द्वारा संयुक्त रूप से सतत कृषि जागरूकता एवं सुविधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्य के कृषि, बागवानी व पशुपालन मंत्री एलएन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं उनके अलावा कार्यक्रम में क्षेत्र विधायक बीके खतिवाड़ा, एससीसीएस अध्यक्ष संतोष प्रधान, बागवानी सचिव बीबी सुब्बा, प्रधान कृषि सचिव तिलक गजमेर, प्रधान पशुपालन निदेशक डॉ. बीएन छेत्री के अलावा अन्य विभागीय अधिकारी, एसडीएम रंगली, रेनॉक गवर्नमेंट कॉलेज के प्रिंसिपल एवं अन्य भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कृषि तथा पशुपालन के महत्व के बारे में जागरूक करना था। रेनॉक गवर्नमेंट कॉलेज से आरम्भ हुआ यह जागरूकता अभियान सभी स्कूलों में भी चलाया जायेगा। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि मंत्री एलएन शर्मा ने राज्य में कृषि एवं पशुपालन विकास हेतु मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में कहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण स्तर पर इन योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु धनराशि मुहैया करा रही है, जिसका कि पिछले तीन वर्षों की लघु अवधि में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है।

विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र अपनाने हेतु प्रोत्साहित करते हुए मंत्री ने कहा कि मानव जाति के लिये कृषि पेशे के तौर पर सबसे महान कार्य है। राष्ट्र निर्माण में इसका विशेष योगदान है। उन्होंने विद्यार्थियों से कृषि के बारे में जागरूकता फैलाने में एक दूत के तौर पर कार्य करने का आह्वान किया। इस दौरान मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि रेनॉक क्षेत्र के किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत कुल 86 लाख से अधिक रुपये के चेक प्रदान किये गये हैं। इनमें दुग्ध उत्पादन में 420 किसानों को 1799106 रुपये दिये गये हैं। वहीं बाकी धनराशि एमएमकेएएनवाई योजना के अंतर्गत प्रदान किये गये हैं।

वहीं मंत्री ने यह भी बताया कि एएच एवं वीएस विभाग की ओर से शीघ्र ही मोबाइल वेटेरीनरी वाहन चलाये जायेंगे, जिसके तहत सभी जिलों में लोगों को उनके दरवाजे पर ही सेवा प्राप्त हो सकेगी। साथ ही अपने भाषण में उन्होंने अम्मा, बाहिनी आदि योजनाओं का भी जिक्र किया।

विधायक विष्णु खतिवाड़ा ने यहां अपने वक्तव्य में सम्बंधित विभाग को इस आयोजन हेतु धन्यवाद देते हुए किसानों को 86 लाख से अधिक की राशि प्रदान करने हेतु खुशी जाहिर की। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में हो रहे विभिन्न विकासमूलक कार्यों के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम को रेनॉक गवर्नमेंट कॉलेज के प्रिंसिपल विधान सुब्बा ने भी सम्बोधित किया। वहीं इस दौरान कृषि विभाग द्वारा तैयार की गयी एक वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान मंत्री शर्मा ने मुख्यमंत्री कृषि आत्मनिर्भर योजना तथा मुख्यमंत्री पशुधन समृद्धि योजना के अंतर्गत कई लाभान्वितों में चेक का भी वितरण किया। बाद में मंत्री शर्मा ने रेनॉक सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज के ग्रीन हाउस का भी परिदर्शन किया। वहां उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत भी की।

सीएम गोले ने की तथागत सल की संचालन समिति की बैठक की अध्यक्षता

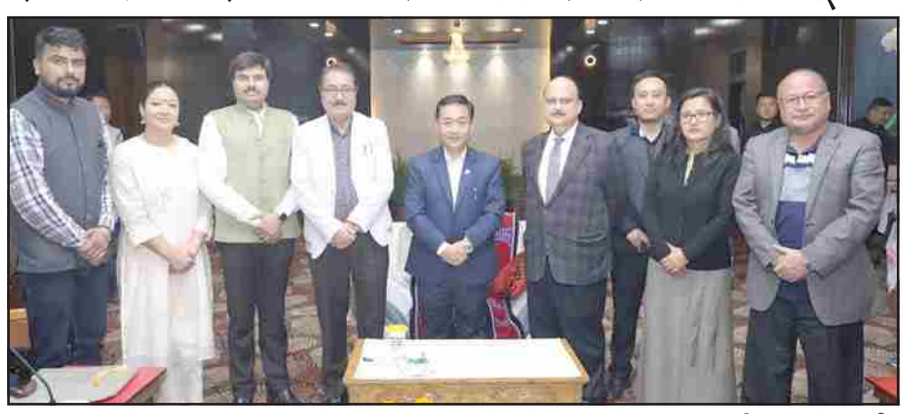

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 17 जून । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज सम्मान भवन में तथागत सल की संचालन समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक की शुरुआत पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव जीपी उपाध्याय के स्वागत भाषण से हुई। मुख्यमंत्री ने तथागत यन पर 5 मिनट की प्रचार फिल्म का भी लोकार्पण किया, जिसके बाद निदेशक (लेखा), भवन और आवास विभाग, छितेन भूटिया और पूर्व

विधायक टी.टी. भूटिया सर्वसम्मति से तथागत सल के नए अध्यक्ष मनोनीत

ओएसडी, निम पिंछो द्वारा तथागत सल पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई।

इस बैठक के पहले चरण में प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया था, जिसमें वित्तीय स्थिति, पर्यटन के विकास, स्वच्छता, सल से संबंधित योजनाएं आदि शामिल रहीं। समिति द्वारा रखी गई शिकायतों को सुनकर मुख्यमंत्री ने साइट का दौरा करने को लेकर अपनी सहमति दी। बैठक के दौरान बरफुंग निर्वाचन क्षेत्र के विधायक टीटी भूटिया को सर्वसम्मति से तथागत सल का नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक का समापन पर्यटन और नागरिक उड्डयन विभाग, की संयुक्त सचिव श्रीमती वंदना छेत्री के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मंत्री सोनम लामा और बीएस पंथ, विधायक-बरफुंग निर्वाचन क्षेत्र, टीटी भूटिया के अलावा अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

अथर्व फाउंडेशन ने पूर्व सैन्यकर्मियों के लिए दिया एम्बुलेंस

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 17 जून । सिक्किम तथा नागालैंड के पूर्व सैन्यकर्मियों के कल्याण हेतु मुम्बई के अथर्व फाउंडेशन ने अपनी ओर से एक एम्बुलेंस दान किया है। राज्य सैनिक बोर्ड, सिक्किम के सचिव ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी है।

राज्य सैनिक बोर्ड के सचिव ने बताया कि 2018 में अपने सिक्किम यात्रा के दौरान अथर्व फाउंडेशन के चेयरमैन तथा मुम्बई के बोरीवली के विधायक सुनील राणे ने सिक्किम और नागालैंड के पूर्व सैन्यकर्मियों के लिये एम्बूलेंस प्रदान करने का वादा किया था। अब इस सम्बंध में गत 5 मई को बोरीवली में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर उन्होंने इसकी घोषणा की।

जानकारी के अनुसार 14 जून को यह एम्बूलेंस गंगटोक पहुंचा और उसके बाद आज सिंगताम स्थित सैनिक रेस्ट हाउस में राज्य सैनिक बोर्ड द्वारा आयोजित एक समारोह में बोर्ड के पूर्व सचिव एवं अवकाशप्राप्त कर्नल डीएन भूटिया ने इसे बोर्ड सचिव किशोर प्रधान को सौंप दिया। इस समारोह में कई पूर्व सैन्यकर्मी, अधिकारी एवं राज्य सैनिक बोर्ड के कर्मचारी मौजूद थे।

आरएसबी सचिव किशोर प्रधान ने इस अवसर पर अथर्व फाउंडेशन के चेयरमैन सुनील राणे का उनके इस कार्य के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पूर्व सेनाकर्मियों एवं उनके परिजनों के कल्याण हेतु सेवाएं प्रदान करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा उन्होंने अथर्व फाउंडेशन के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पूर्व सेनाकर्मियों एवं उनके परिजनों की तरफ से राज्य सैनिक बोर्ड अथर्व फाउंडेशन के प्रति हमेशा आभारी रहेगा।

राज्य में बारिश ने बनाया एक दशक का रिकॉर्ड

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 17 जून । सिक्किम में इस वर्ष मानसून बीते 3 जून को प्रवेश कर चुका है और उसके बाद से राज्यवासियों ने साफ आकाश नहीं देखा है। मानसून आने के बाद से अब तक यहां अभूतपूर्व बारिश हुई है।

वहीं भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की गंगटोक शाखा के अनुसार एक जून से 16 जून के बीच राज्य में हुई बारिश इस दशक में सर्वाधिक है। इस महीने की 16 तारीख तक राज्य में अब तक 632.5 मिमी. वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है, जो पिछले एक दशक में सबसे अधिक है। इससे पहले 2015 में राज्य में सर्वाधिक बारिश 502 मिमी. रिकॉर्ड की गयी थी। वहीं पिछले वर्ष इसी अवधि में सिक्किम में 486.6 मिमी. बारिश हुई थी।

उल्लेखनीय है कि राज्य के उत्तर और पूर्व सिक्किम में सबसे अधिक वर्षा होती है। पिछले 15 दिनों से विभाग द्वारा लगभग हर रोज ही उत्तर सिक्किम में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी दी जा रही है। मौसम विभाग का कहना है कि पिछले 15 दिनों से राज्य के लगभग 75 फीसदी हिस्से में हर दिन लगातार बारिश हो रही है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के निदेशक गोपीनाथ राहा ने बताया कि सिक्किम में मानसून के दौरान ही अधिकांश बारिश होती है। इस दौरान हिमालय के तराई वाले स्थानों पर भी अधिक बारिश होती है। आमतौर पर ऐसा जुलाई में होता

20 जून तक राहत की उम्मीद नहीं

है, लेकिन इस साल जून में ही ऐसा हुआ है। सिक्किम और उत्तर बंगाल में इस बार निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। यह उत्तर पश्चिम भारत से पूर्वोत्तर भारत की ओर जाता है।

राहा ने आगे कहा कि बंगाल की खाड़ी में मौसमी हवाओं की गति के कारण ही वर्तमान में इस क्षेत्र में अभूतपूर्व तरीके से बारिश हो रही है। ऐसे में सिक्किम के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से में 15 दिनों की दौरान बारिश हुई है, जो असामान्य है। हमने आज भी पूर्व और उत्तर सिक्किम में भारी से अति भारी वर्षा और उत्तर में अचानक बाढ़ आने की चेतावनी जारी की है। वहीं उत्तर और पूर्व सिक्किम में भूस्खलन की भी चेतावनी जारी की गई है। हालांकि पश्चिम और दक्षिण सिक्किम में भी बहुत बारिश हो रही है, लेकिन वहां भारी बारिश की चेतावनी ही जारी की गई है।

वहीं बारिश में कमी की सम्भावना जताते हुए राहा ने आगे कहा कि निम्न दबाव का यह प्रभाव आगामी 20 जून तक चलेगा। उसके बाद बारिश तो होगी, लेकिन इस प्रकार नहीं।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भर से राज्य में नियमित तौर पर भूस्खलन, सड़क यातायात ठप होने और मृत्यु की भी सूचनाएं मिल रही हैं।

दिवंगत एएसआई के अंतिम संस्कार में शामिल हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 17 जून । सिक्किम पुलिस ने अपने तीन सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। 15 जून को ड्यूटी के दौरान एक हादसे में एक एएसआई और दो ग्राम रक्षकों की मौत हो गई थी।

आज पुलिस महानिदेशक श्री ए सुधाकर राव के साथ एसडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर श्री अक्षय सचदेव, डीआईजीपी गंगटोक रेंज श्री ताशी वांग्याल भूटिया, मंगन जिला एसपी डॉ छिरिंग ग्यात्सो भूटिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मंगन जिले के पक्षेप में एएसआई सांता वीर तमांग के इनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। एएसआई सांता वीर तमांग के साथ दो अन्य विलेज गार्ड लिडोंग के उगेन लेख्चा और ल्यांगसोंग लेख्चा, जोंगू की 15 जून, 2022 को लिंग्ज्या में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। ज्ञात हो कि एक वाहन में सवार ये तीनों मृतक पांच अन्य लोगों के साथ पॉक्सो एक्ट के एक आरोपी को गिरफ्तार कर अपर जोंगू से लौट रहे थे।

अंतिम संस्कार के दौरान दिवंगत एएसआई को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। डीजीपी ने व्यक्तिगत रूप से मृतक के परिजनों को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की। इसके बाद, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लिंगदोंग में लेफ्टिनेंट विलेज गार्ड उगेन लेख्चा के घर का दौरा किया और उन्हें एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि सौंपी। सड़क जाम होने के कारण दिवंगत ल्यांगसों लेख्चा के शोक संतप्त परिवार से आज मुलाकात नहीं हो सकी। हालांकि, तीनों मृतकों के परिवारों का दौरा जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पोस्टमार्टम के बाद शवों को ले जाने के समय से ही किया था और जिला पुलिस द्वारा प्रारंभिक आवश्यक सहायता प्रदान की गई थी।

डीजीपी द्वारा अपने एसएस फंड से विलेज गार्डों को एक-एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जा रही है। सिक्किम पुलिस हमेशा तीनों साथियों के सर्वोच्च बलिदान को याद रखेगी और और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करेगी।

भारी बारिश से मछली पालकों को नुकसान

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 17 जून । मानेबुंग-देंताम क्षेत्र के सिम्फोक इसांग खोला से ले जाये गये पाइप लाइन के मूसलाधार बारिश के कारण टूट जाने से क्षेत्र के मछली पालकों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

क्षेत्र के उत्तरे स्थित सिम्फोक कुनाबार निवासी जस बहादुर राई ने ट्राउड मछली पालन कर अपना व्यवसाय चला रहे थे। लेकिन भारी बारिश के कारण मछली पालन के लिये लगाई गई पाइप लाइन के टूट गया और टंकी का पूरा पानी निकल जाने से उनके वहां रखे ट्राउड मछली के 1500 बच्चे मर गये। राई ने बताया कि उन्होंने मत्स्य विभाग से मछली पालन हेतु इन ट्राउड मछलियों के बच्चे को 50 रुपये प्रति के हिसाब से खरीदा था। लेकिन अब वे सभी मारे गये हैं, जिससे उन्हें बड़ा नुकसान हुआ है। उन्होंने सम्बंधित विभाग एवं सरकार से इसे लेकर मुआवजे की मांग की है।

वहीं बारिश के कारण इस गांव में सोपाख तर्ने सेतु भी नाजुक स्थिति में है। खोला में नदी का पानी बढ़ने से पुल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे सोपाखा गांव को जोड़ने वाली इस सड़क पर आवागमन बंद होने की आशंका है।

इस दौरान क्षेत्र प्रभारी पूर्णहांग सुब्बा ने बताया कि लगातार भारी बारिश के कारण क्षेत्र के अन्य स्थानों में भी प्रभाव पड़ा है। उन्होंने लोगों को इस प्राकृतिक आपदा से सावधान रहने को कहा है। उन्होंने मत्स्य विभाग के अधिकारियों के साथ प्रभावित इलाकों का दौरा भी किया है। इस अवसर पर उन्होंने ग्यातेन कर्माटार जीपीयू के थापा डांड़ा, अपर बुलुंग एवं अन्य इलाकों में जाकर पीएम छेत्री और डीबी छेत्री समेत अन्य प्रभावितों से बात की। साथ ही उन्होंने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों से अन्य प्रभावित इलाकों में जाकर जानकारी प्राप्त करने को कहा है।

तिस्ता नदी में फंसा युवक

छह घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 17 जून । राजधानी गंगटोक से करीब 30 किमी दूर सिंगताम शहर में तिस्ता नदी की उफनती धाराओं के बीच आज कुशल राई (30) नामक एक युवक छह घंटों से अधिक समय तक फंसा रहा। बाद में उसे एक एक्सवेटर की सहायता से सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मैनकाइंड फार्मास्युटिकल कम्पनी का एक कर्मचारी कुशल राई नदी किनारे जलावन की लकडियां इकट्ठा करने गया था। इसी दौरान वह नदी के बीचोंबीच स्थित एक बड़े चट्टान पर चढ़ गया। इस बीच ऊंचे स्थानों पर लगातार बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ता गया और कुशल राई वहां फंस कर छह घंटों से अधिक समय तक खड़ा रहा।

गौरतलब है कि एनएचपीसी विद्युत परियोजना के कई चरणों-डिक्चू में (शेष पृष्ठ ०३ पर)

बर्निंग ट्रेन बनी विक्रमशिला एक्सप्रेस, उपद्रवियों ने 23 बोगियों को किया आग के हवाले

पटना, 17 जून (का.सं.)। अग्निपथ योजना को लेकर बिहार में विरोध प्रदर्शन के बीच उपद्रवियों ने विक्रमशिला ट्रेन को पूरी तरह बर्बाद कर कर दिया। उपद्रवी माचिस लेकर स्टेशन पर पहुंचे थे। स्टेशन के ही प्लेटफॉर्म संख्या दो के नजदीक की दुकान से कुछ छात्रों ने माचिस खरीदी और पहले एसी थर्ड टियर के शीट और उसमें रखे चादर-तकिया को आग के हवाले कर दिया। एसी बोगी होने के कारण आग तेजी से पकड़ गया और एक-एक कर विक्रमशिला की 23 बोगियां धधक उठी। जिन बोगियों में आग सही से नहीं पकड़ पाए, उसे उपद्रवियों ने पुन: प्रयास कर आग के हवाले कर दिया। आग की लपटें और रह-रहकर ब्लास्ट हो रहे एसी के सिलिंडर को लेकर भी वहां मौजूद यात्री दहशत में दिखे। हालांकि ट्रेन में तेजी से उठ रही आग की लपटों को देख यात्रियों ने सवारी वाहन से ही अपने गंतव्य की ओर रवाना होना उचित समझा। पुलिस ने इस मामले में अबतक 200 लोगों को हिरासत में लिया है।

जानकारी के मुताबिक करीब 8.30 बजे छात्रों ने एसी थर्ड टियर की बोगी को अपना निशाना बनाया और माचिश की तीली से बोगी की सीट व बोगी में रखे कंबल व तकिया में आगजनी की। सभी बोगी के दरवाजे एक-दूसरे से संपर्क में होने के कारण एक-एक कर 15 बोगियों में आग लग गई। वहीं आखिरी के दो बोगी में छात्रों व स्थानीय कुछ असामाजिक तत्वों ने लूटपाट के बाद आगजनी कर दी। इस बीच यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। कुछ यात्रियों के भी घायल होने की सूचना है। वीडियो बना रहे दो दर्जन से अधिक यात्रियों के मोबाइल तोड़े गए हैं, तो वहीं कई यात्रियों की जमकर पिटाई भी कर दी गई।

स्टेशन पर नौ की संख्या में फूड स्टॉल, कुर्सियां, फुट ओवर ब्रिज, यात्री शेड, प्याऊ आदि को क्षतिग्रस्त कर बर्बाद कर दिया गया। शहर व ग्रामीण इलाकों के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे छात्रों ने सबसे पहले लखीसराय स्टेशन पर खड़ी विक्रमशिला एक्सप्रेस को अपना निशाना बनाया। विक्रमशिला के लोको पायलट सुशील कुमार छात्रों के हमले में घायल हो गए। उनका सर फट गया। चालक के इंजन से बाहर निकलते ही छात्रों ने ट्रेनों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस बीच स्टेशन पर भी जमकर तोड़फोड़ की।

गौरतलब है कि विक्रमशिला एक्सप्रेस की तीन रैक चलती है। एक रैक जला दी गई। इसलिए इसके परिचालन पर असर पड़ेगा। भागलपुर के रेलकर्मियों के अनुसार सप्ताह में दो दिन ट्रेन रद्द हो सकती है। चूंकि ये एलएचबी रैक है और इतनी संख्या में एलएचबी बोगी स्पेयर में नहीं है। मालदा रेल मंडल के सीनियर डीएमई एसके तिवारी के मुताबिक कई ट्रेनों की रैक जली है। परिचालन को लेकर विमर्श किया जा रहा है। एक दो दिन रद्द हो सकती है। रैक आने के बाद जांच होगी। देखा जायेगा कि कितने कोच बदलने की जरूरत है। अभी अगले दिन यानी शनिवार के लिए विक्रमशिला की एक रैक भागलपुर में उपलब्ध है।

जबतक पुलिस-प्रशासन ने यहां छात्रों को समझा बुझाकर रवाना किया, तबतक आउटर पर खड़ी जनसेवा को भी छात्रों ने शिकार बनाते हुए उसे भी आग के हवाले कर दिया। यहां पटरियों के क्लिप भी खोल दिए गए। इस रेलवे के वरीय अधिकारी या वरीय पुलिस पदाधिकारी नहीं दिखे। जिला प्रशासन की तरफ से डीएम संजय कुमार सिंह और एसपी पंकज कुमार ने कमान संभाली और उग्र छात्रों से वार्ता कर छात्रों से अनुरोध कर स्टेशन से वापस भेजा गया। हालांकि बाद में बड़ी संख्या में पुलिस बलों व प्रशासनिक पदाधिकारियों के लखीसराय स्टेशन से लेकर आउटर तक तैनाती किए जाने के बाद छात्र लौट गए।

सुबह सात बजे ही सैकड़ों की संख्या में लखीसराय स्टेशन पहुंचे छात्र ने न सिर्फ स्टेशन पर तोड़फोड़ की, बल्कि स्टेशन पर खड़ी विक्रमशिला एक्सप्रेस को आग के हवाले कर दिया। छात्रों का विरोध करीब पांच घंटे तक चला और रेलवे की परिसंपत्तियों को जमकर नुकसान पहुंचाया गया। विक्रमशिला की 23, जनसेवा की इंजन सहित सात बोगियों को आग के हवाले कर दिया गया। पटरियों के क्लिप खोल दिए गए, वहीं लखीसराय स्टेशन पर भी जमकर उत्पात मचाया गया।

हम युवाओं के साथ, हिंसा का रास्ता न अपनाएं : वरुण गांधी

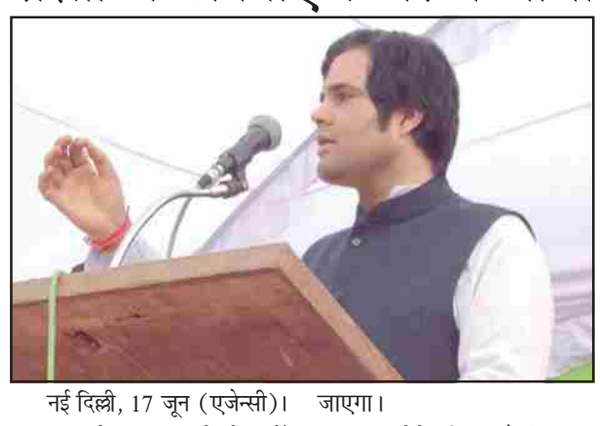

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। अग्निपथ योजना का पूरे देश में विरोध हो रहा है। 11 से ज्यादा राज्यों में छात्रों ने इसके विरोध में प्रदर्शन किया और कई जगहों पर तो ट्रेन और सार्वजनिक संपत्तियों को आग लगा दी गई। इस बीच भाजपा सांसद वरुण गांधी ने छात्रों से अपील की है कि वे हिंसा का रास्ता न अपनाएं। इससे उनकी मांगे कमजोर होती हैं। उन्होंने कहा है कि वे युवाओं के साथ खड़े हैं और उनके साथ न्याय होगा। वरुण ने इसके पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखते हुए उनसे छात्रों के हित में नीतियां बनाने की अपील की थी।

एक वीडियो बयान ट्वीट करते हुए भाजपा सांसद ने शुक्रवार को कहा कि छात्र लोकतांत्रिक मर्यादा का ध्यान रखें और सोशल मीडिया-मार्च जैसे शांतिपूर्ण तरीकों से अपनी बातें केंद्र के सामने रखें। उन्होंने कहा है कि छात्रों के विरोध को देखते हुए केंद्र सरकार ने 24 घंटे के अंदर उम्र सीमा का बदलाव किया है। उन्हें उम्मीद है कि सरकार उनकी अन्य मांगों पर भी विचार करेगी और एक बेहतर विकल्प पेश किया जाएगा।

ध्यान देने की बात है कि वरुण गांधी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भाजपा के ही कुछ नेता आपत्तिजनक बयानबाजी कर युवाओं को भड़काने का काम कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को ही छात्रों के प्रदर्शन को राष्ट्रीय जनता दल के इशारे पर गुंड़ों के द्वारा की गई घटना बताया है। कहा जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री के इस बयान के बाद छात्र और ज्यादा भड़क गए और बिहार में स्थिति बिगड़ती चली गई। पार्टी ने अपने नेताओं से इस संवेदनशील मसले पर बेहद सावधानी के साथ बातें रखने के लिए कहा है।

दरअसल, इसके पहले हुए किसान आंदोलन के दौरान भी कुछ पार्टी नेताओं ने किसानों को खालिस्तानी और अराजक तत्व करार दिया था। इससे किसानों की नाराजगी बढ़ गई थी। इसे ध्यान रखते हुए पार्टी ने अपने नेताओं से इस मसले पर बेहद सावधानी से तथ्यात्मक बातें रखने का निर्देश दिया है।

एमपी में पेट्रोल और डीजल का बढ़ा संकट, सप्लाई की कमी से सूख रहे पंप

भोपाल, 17 जून (एजेन्सी)। एमपी पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने कहा कि 4900 में से 1000 पेट्रोल पंप 40 प्रतिशत तक ईंधन की आपूर्ति में कमी के कारण सूख गए हैं। ईंधन संकट की खबर के बीच बुधवार रात कई पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ देखी गई, इसके चलते पेट्रोल पंप मालिकों ने स्थानीय थाने से पुलिस कर्मियों को बुलाया। रायसेन चौक स्थित एक पेट्रोल पंप में बुधवार रात पुलिस सुरक्षा में पेट्रोल पंप दिया गया। पंप प्रबंधक राजेश कुमार ने कहा, 'हमने पुलिस को बुलाया क्योंकि आपूर्ति की कमी के कारण एक दर्जन से अधिक पेट्रोल पंप बंद होने के बाद बड़ी संख्या में ग्राहक अपने टैंकों को फिर से भरने के लिए पहुंचे।'

पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के सांसद अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि हालात दिन पर दिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। अगर सरकार ने तीन दिनों के भीतर कोई कार्रवाई नहीं की तो राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो जाएगी।

सिंह ने कहा, 'एक हजार पेट्रोल पंप सूखने की खबर के बाद पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ देखी गई। कुछ लोगों ने किसी भी अप्रिय घटना को टालने के लिए स्थानीय पुलिस को फोन किया।

उन्होंने आगे कहा, 'इंडियन ऑयल की आपूर्ति ठीक है, लेकिन हिंदुस्तान और भारत पेट्रोलियम ने आपूर्ति को 40 प्रतिशत तक कम कर दिया। यहां तक कि भौंरी क्षेत्र स्थित डिपो ने भी भरने का समय दो घंटे कम कर दिया है। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के मुताबिक राज्य में रोजाना 27.70 लाख लीटर पेट्रोल-डीजल की खपत होती है, लेकिन कंपनियां 1.5 करोड़ लीटर से भी कम ईंधन दे रही हैं। एसोसिएशन के अनुसार, संकट के पीछे कई कारण हैं।

सिंह ने कहा, 'मध्य प्रदेश में सोयाबीन की बुवाई के मौसम और चावल और पंचायत चुनावों के कारण मांग 20-25 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां मांग से 40 प्रतिशत कम ईंधन की आपूर्ति कर रही हैं। सिंह ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करने के बाद तेल कंपनियों ने आपूर्ति कम कर दी है। डीलर्स एसोसिएशन ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर स्थिति बिगड़ने से पहले इस मामले पर कार्रवाई करने को कहा है।

एमपी के पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) फरीद शापू ने कहा, 'अभी तक कोई समस्या नहीं है लेकिन हमने सभी जिलों से स्थिति पर नजर रखने को कहा है।' मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा, 'भाजपा सरकार की आदत हो गई है कि वह प्रदेश की आम जनता को रोज नई मुसीबतों में डालती है। अब पेट्रोल पंपों पर तेल की आपूर्ति की समस्या पैदा हो गई है। लोग पेट्रोल-डीजल की किल्लत से जूझ रहे हैं। आगे स्थिति और खराब होने की आशंका है।'

24 जून से शुरु होगी अग्निपथ योजना के तहत आर्मी के अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया

एयरफोर्स और नेवी जल्द करेगी तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना के खिलाफ प्रदर्शन के जोर पकड़ने के बीच थलसेना, नौसेना और वायुसेना ने इस नए प्रारूप के तहत अगले हफ्ते तक चयन प्रक्रिया शुरू करने की शुक्रवार को घोषणा की। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में शामिल होने के आकांक्षी युवाओं से अपनी तैयारी शुरू कर देने की अपील की। वायुसेना प्रमुख वी आर चौधरी ने कहा कि अग्निपथ योजना के तहत वायुसेना 24 जून से चयन प्रक्रिया शुरू कर देगी। वहीं, थलसेना ने कहा कि वह भर्ती के लिए प्रारंभिक अधिसूचना जारी कर दो दिनों के भीतर इसकी प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर देगी। नौसेना ने भी कहा है कि वह बहुत जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी। नौसेना के एक वरिष्ठ कमांडर ने कहा कि भर्ती के लिए नोटिफिकेशन एक हफ्ते के अंदर जारी कर दिया जाएगा।

वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने बताया कि तीनों सशस्त्र बल नई योजना के तहत अभियानगत और गैर-अभियानगत भूमिकाओं में रंगरूटों के प्रथम बैच को अगले साल जून तक तैनात करने की योजना बना रहे हैं। अधिकारियों ने यह भी कहा कि प्रदर्शन कर रहे युवा अग्निपथ योजना के फायदों से पूरी तरह से अवगत नहीं हैं।

प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश के तहत सरकार ने गुरुवार रात इस योजना के तहत 2022 के लिए सैनिकों की भर्ती के लिए ऊपरी उम्र सीमा 21 वर्ष से बढ़ा कर 23 वर्ष कर दी। जम्मू कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर गये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में भर्ती की अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे युवाओं की चिंताओं को दूर करने के प्रयास के तहत कहा कि यह नई योजना भारत के युवाओं को देश की रक्षा व्यवस्था से जुड़ने और देश सेवा करने का सुनहरा अवसर है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कुछ ही दिनों में सेना की भर्ती प्रक्रिया आरंभ होने वाली है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन कर रहे युवाओं से अपील की कि वे इसकी तैयारी में जुट जाएं।

केंद्र ने मंगलवार को इस नई योजना की घोषणा की। कोरोना वायरस महामारी के कारण सशस्त्र बलों में भर्ती दो साल से अधिक समय से रुके रहने के मद्देनजर यह घोषणा की गई। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि अग्निपथ योजना के तहत 2022 के लिए आयु सीमा को 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष करने का निर्णय उन युवाओं को अवसर प्रदान करेगा, जो सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन पिछले दो साल से कोविड-19 महामारी के कारण ऐसा नहीं कर पाए। जनरल पांडे ने कहा कि सेना में भर्ती के लिए उम्र में एकबारगी छूट देने संबंधी सरकार के फैसले के बाद भर्ती प्रक्रिया की घोषणा जल्द की जाएगी।

एयर चीफ मार्शल वी. आर. चौधरी ने कहा कि 2022 के लिए अग्निपथ योजना के तहत (सशस्त्र बल में) भर्ती किये जाने वालों की उम्र सीमा बढ़ा कर 23 वर्ष कर दी गई है, जिससे सशस्त्र बलों में कहीं अधिक संख्या में युवाओं की भर्ती की जा सकेगी। उन्होंने कहा, 'सरकार सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए हाल में अग्निपथ योजना लाई गई है। योजना के लिए न्यूनतम उम्र साढ़े 17 वर्ष और अधिकतम उम्र सीमा 21 साल है। मैं यह सूचित करते हुए खुश हूं कि पहली भर्ती के लिए ऊपरी उम्र सीमा बढ़ा कर 23 साल कर दी गई है।' वायुसेना प्रमुख ने कहा, 'इस बदलाव से युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अग्निवीर के रूप में भर्ती हो सकेगा। वायुसेना के लिए चयन प्रक्रिया 24 जून से शुरू होगी।'

उधर, नौसेना ने एक बयान में कहा कि ऊपरी उम्र सीमा में बढ़ोतरी उन युवाओं की भर्ती का मार्ग प्रशस्त करेगी जो कोविड महामारी के कारण अस्थायी रूप से भर्ती रुकने के कारण सशस्त्र बलों में शामिल नहीं हो सके थे। इसमें कहा गया है, 'नौसेना अग्निवीरों के प्रथम बैच का स्वागत करने के लिए तैयार है...।' सैन्य अधिकारियों ने बताया कि थलसेना भर्ती के लिए दो दिनों में एक शुरूआती अधिसूचना जारी करेगी।

अग्निपथ प्रदर्शन को लेकर आपस में भिड़े बीजेपी, जदयू के नेता

पटना, 17 जून (का.सं.)। केंद्र की अग्निपथ योजना के खिलाफ हिंसक विरोध शुक्रवार को दो सत्तारूढ़ दलों, भाजपा और जद (यू) के नेताओं के बीच राजनीतिक लड़ाई में बदल गया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने अग्निपथ विरोध प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में विफल रहने के लिए नीतीश कुमार सरकार को दोषी ठहराया।

प्रदर्शनकारियों ने बेतिया कस्बे में संजय जायसवाल के घर और उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के घर में तोड़फोड़ की है। प्रदर्शनकारियों ने बिहार में भाजपा विधायक विनय बिहारी और अन्य भाजपा नेताओं की एसयूवी पर भी हमला किया।

जायसवाल ने कहा, 'जिन लोगों ने मेरे घर पर हमला किया, वे निश्चित रूप से रक्षा बलों के लिए नौकरी के इच्छुक नहीं थे। यह मेरे घर में तोड़फोड़ करने की एक सुनियोजित साजिश थी। यह कोई और लोग थे जिन्होंने बेतिया में नौकरी के इच्छुक लोगों के रूप में मेरे घर में तोड़फोड़ की।' जायसवाल ने कहा, 'जिस तरह से आंदोलनकारियों ने विभिन्न शहरों में भाजपा नेताओं के घरों और पार्टी कार्यालयों पर हमला किया है, उसके लिए अलग-अलग जिलों के प्रशासन ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने आंदोलनकारियों से निपटने के लिए कमजोर रुख अपनाया है।'

जायसवाल के बयान के बाद जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने तुरंत उनका विरोध किया। उन्होंने कहा, 'अग्निपथ योजना की घोषणा के बाद देश के युवाओं में भारी असंतोष है। देश में कई जगहों पर हिंसा हुई है। केंद्र को इसका संज्ञान लेना चाहिए और योजना पर तुरंत पुनर्विचार करना चाहिए। यदि यह संभव नहीं है तो वह उन्हें ठीक से संवाद करें कि इससे भविष्य में उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।'

संजय जायसवाल के घर पर हुए हमले के बाद पश्चिम चंपारण के जिला प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है।

जायसवाल के अलावा समस्तीपुर में हिंसक भीड़ ने रेणु देवी, भाजपा विधायक विनय बिहारी के घर और भाजपा विधायक वीरेंद्र सिंह के आवास पर हमला किया।

भाजपा के तेजतर्रार नेता केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 'किसान आंदोलन के दौरान जिस तरह से भ्रम की स्थिति पैदा हुई और उन्हें केंद्र की योजनाओं का लाभ नहीं मिला, इसी तरह अब छात्रों में भ्रम की स्थिति पैदा की जा रही है। वे अग्निपथ और अग्निवीर योजना के लाभों को नहीं जानते हैं।'

इस बीच बिहार के कई रेलवे स्टेशनों पर प्रदर्शनकारियों ने हिंसा जारी रखी। उन्होंने पटना के दानापुर रेलवे स्टेशन पर फरक्का एक्सप्रेस के तीन डिब्बों में आग लगा दी। स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई और मौके पर तैनात दानापुर के एएसपी ने हिंसक भीड़ से खुद को और अन्य पुलिस कर्मियों को बचाने के लिए हवा में कुछ राउंड फायरिंग की।

दानापुर रेलवे स्टेशन पर हमले के बाद, पटना के जिला मजिस्ट्रेट चंद्रशेखर सिंह ने कहा, 'हमने दानापुर रेलवे स्टेशन पर आगजनी के लिए 2 दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। हम आरोपियों की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रहे हैं।'

औरंगाबाद में प्रदर्शनकारियों ने एक बस डिपो में चार बसों को आग के हवाले कर दिया।

मुजफ्फरपुर में हिंसक भीड़ ने शिहो रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी में आग लगा दी। हमले में एक गार्ड कोच और एक कोच घायल हो गए।

मधेपुरा में प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय के सामने वाले हिस्से में आग लगा दी और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी मधेपुरा रेलवे स्टेशन पर जमा हो गए और रेलवे संपत्तियों में तोड़फोड़ की। सासाराम में, आंदोलनकारियों ने भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ की और दिल्ली-कोलकाता एनएच 19 पर स्थित एक टोल प्लाजा में भी आग लगा दी।

30 जून को देशभर में विरोध करेंगे किसान : नरेश टिकैत

हरिद्वार, 17 जून (एजेन्सी)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता 30 जून को देशभर में अग्निपथ भर्ती योजना का विरोध करेंगे। इसे लेकर जनपद स्तर पर भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन भी देंगे।

लालकोठी पर आयोजित भारतीय किसान यूनियन के तीन दिवसीय किसान कुंभ सम्मेलन में पहुंचे नरेश टिकैत ने कहा कि अग्निपथ के विरोध में शनिवार को हरिद्वार में लालकोठी से लेकर वीआईपी घाट तक किसान पैदल मार्च कर इस योजना का विरोध कर रहे युवाओं को अपना समर्थन देंगे।

उन्होंने किसानों की एकता पर जोर देते हुए सरकार से किसानों के साथ किए गए सभी वादों को पूरा कराए जाने की मांग की। भाकियू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में भाकियू के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों को भी मनोनीत किया गया।

जबकि राजपाल शर्मा को भारतीय किसान यूनियन उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार मनमोहन सिंह और संचालन ओमपाल मलिक ने किया। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी और संख्या में किसान मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैट गुट) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने बताया कि देशभर में केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना को लेकर विरोध किया जा रहा है। यह विरोध हिंसात्मक न होकर शांतिपूर्ण होना चाहिए। भारतीय किसान यूनियन भी अग्निपथ योजना का विरोध करती है।

सरकार को समझना चाहिए कि अग्निपथ योजना के तहत चार साल तक नौकरी करने वाले युवा इसके बाद कहां जाएंगे। अग्निपथ में चार साल की नौकरी करने के बाद युवा आत्महत्या ही करेंगे। लालकोठी पर आयोजित किसान महाकुंभ और चिंतन शिविर के दूसरे दिन पत्रकारों से वार्ता करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि पर्यावरण के चलते लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। जिसकी जिम्मेदारी सरकार की है।

ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह मेडिकल फैसिलिटी को और अधिक बढ़ाए। सरकार को इंटर तक की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं लोगों को फ्री में देनी चाहिए। स्वास्थ्य से जुड़ी तमाम तरह की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को भी नहीं मिल पा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने किसान महाकुंभ में गन्ने की फसल का बकाया भुगतान, बिजली, पानी और एमएसपी को कानूनी रूप दिए जाने की मांगों को भी उठाया। साथ ही उत्तराखंड को ऑर्गेनिक स्टेट बनाए जाने की भी मांग किसान यूनियन द्वारा उठाई जा रही है।

हरिद्वार। हरिद्वार में चल रहे भारतीय किसान यूनियन के तीन दिवसीय कुंभ के दूसरे दिन किसान नेताओं ने केंद्र सरकार की युवा और किसान विरोधी नीतियों की विरोध में हुंकार भरी। किसान नेताओं ने कहा कि इस वक्त देश में हर वर्ग परेशान है। युवाओं को रोजगार देने के बजाए अब उन्हें ठेके पर रखने की स्कीम लाई जा रही है।

शुक्रवार को हरिद्वार के लालकोठी में आयोजित सम्मेलन के दूसरे दिन भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) से जुड़े किसानों ने ने अपनी समस्याओं को रखा। इस मौके पर सरकार की नीतियों की आलोचना की गई। साथ ही किसानों की एकजुटता पर जोर दिया गया। मालूम हो कि गुरुवार को किसान यूनियन के कुभ के उद्घाटन मौके पर राकेश टिकैत ने अग्निपथ योजना का विरोध करते हुए कहा था कि किसान इस आंदोलन में हिस्सा लेंगे।

ताकि सरकार युवाओं का हक न मार सके। उन्होंने कहा कि किसान का बेटे को पहले खेते से दूर किया गया और अब अग्निपथ योजना लाकर उसके फौज से भी दूर किया जा रहा है, जो किसानों को मंजूर नहीं है। उन्होंने पूछा कि इन हालात में किसान का बेटा आखिर करेगा क्या।

युवाओं के हित में वापस ले 'अग्निपथ' योजना : भगवंत मान

चंडीगढ़, 17 जून (एजेन्सी)। भारतीय सशस्त्र बलों में अग्निपथ योजना लागू करने के एनडीए सरकार के फैसले की निंदा करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को देश के व्यापक हित में अपने फैसले को वापस लेने की मांग की।

भगवंत मान ने कहा, 'कृषि के बाद यह युवाओं पर एक गंभीर हमला है, जो अनुचित और अवांछनीय है। यह उन पंजाबी युवाओं के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है, जो सेना में शामिल होकर अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।'

मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय देश में दयनीय स्थिति को दर्शाता है, क्योंकि सत्ता में पार्टी अपने युवाओं की परवाह किए बिना लापरवाही से देश चला रही है।

उन्होंने कहा कि इस नासमझ फैसले ने देश में उबाल ला दिया है, क्योंकि देश के युवा केंद्र के इस गैरजिम्मेदाराना कदम के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं।

मान ने कहा कि उनकी आम आदमी पार्टी (आप) इस कदम का पुरजोर विरोध करती है, जो युवाओं को जीवन भर देश की सेवा करने के अवसर से वंचित करती है।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार ने पिछले दो साल में एक भी युवा को सेना में नहीं रखा है।

मान ने कहा कि यह भारतीय सेना का सरासर अपमान है, जिनके पास वीरता, बलिदान और निस्वार्थ सेवा के साथ देश की सेवा करने की गौरवशाली विरासत है।

जन तक जिंदा रहूंगा एनडीए के साथ रहूंगा : पशुपति पारस

पटना, 17 जून (का.सं.)। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोसपा) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव एवं 2025 का विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती के साथ रालोजपा एनडीए गठबंधन के साथ लड़ेगी।

पारस ने कहा कि हम और हमारी पार्टी मरते दम तक एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी। पटना में रालोजपा तथा दलित सेना का संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संगठन की मजबूती एवं विस्तार के लिए आज यह सम्मेलन बुलाया गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी संगठन को गांव एवं पंचायत स्तर तक लेकर जाएं। पारस ने कहा कि हम और हमारी पार्टी मरते दम तक एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन में रहकर ही रामविलास पासवान के अधूरे सपने एवं उनके नीति एवं सिद्धांत और उनके विचारों को आगे ले जाने का संकल्प पूरा किया जा सकता है।

पारस ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता हमारे लिए भगवान के समान है दिल्ली से पटना तक हमारा दरवाजा हमेशा कार्यकर्ताओं के लिए खुला रहता है और मैं भी एक कार्यकर्ता के रूप में काम करता हूं। इस सम्मेलन में राज्य भर के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आज के सम्मेलन में राष्ट्रीय लोजपा और दलित सेना की ओर से 12 सूत्री प्रस्ताव लाया गया जिसका सभी साथियों ने समर्थन किया एवं सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।

अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे पप्पू यादव बोले- सिर्फ पांच साल के लिए पीएम और सीएम बनाने का भी कानून बने

पटना, 17 जून (का.सं.)। अग्निपथ स्कीम के खिलाफ शुक्रवार को जन अधिकार पार्टी सुप्रीमो पप्पू यादव भी सड़कों पर कार्यकर्ताओं के साथ उतरे। पप्पू यादव ने कहा कि पूरा देश एक तरफ है। सरकार ने युवाओं में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी। उन्होंने आगे कहा कि जब जवानों को लगेगा कि हमारे लिए कोई सुविधा ही नहीं है तो हम देश के लिए जान क्यों दें? फौजी बनने में 12 से 13 महीने की ट्रेनिंग होती है जिसे 6 महीने कर दिया गया है। फिर चार साल तो सैनिक बनने में लग जाता है। फिर चार साल में रिटायर कर देंगे।

पप्पू यादव ने कहा कि सरकार रोजगार के नाम पर जुमलेबाजी कर रही है। साल 2020 से 2022 में लोगों की बहाली नहीं हुई। सरकार को चाहिए था कि इस स्कीम को छोटे स्तर पर लाकर देखती लेकिन सरकार ने तीनों सेनाओं में ये स्कीम लागू कर दी। उन्होंने आगे कहा कि जब एक दिन के सीएम, पीएम, राज्यपाल, विधायक, सांसद को पेंशन मिल सकती है तो सैनिक को पेंशन क्यों नहीं मिलेगी? आप कानून बनाइये कि सिर्फ पांच साल के लिए सीएम और पीएम बनेंगे। बाद में कोई सुविधा नहीं मिलेगी। क्या सरकार सांसदों-विधायकों की पेंशन खत्म करेगी?

पप्पू यादव ने कहा कि जब फौजी को ये पता होगा कि उसके लिए किसी तरह की कोई सुविधा नहीं है तो क्या वो देश के लिए जान देगा? क्या वो सही मायनों में सैनिक बन पाएगा? क्या वो बचने की कोशिश नहीं करेंगे? सरकार ने 16 करोड़ नौकरी का वादा किया था वो 16 करोड़ नौकरियों का क्या हुआ? कितने लोगों ने लॉकडाउन के बाद बेरोजगारी के चलते आत्महत्या कर ली।

पप्पू यादव ने कहा कि एक तरफ हिन्दू-मुसलमान कराकर सरकार देश को जला रही है और प्रदर्शनकारियों को दंगाई कह रही है। सरकार को तुरंत ये फैसला वापस लेना चाहिए और सैनिकों के पेंशन का प्रावधान जारी रखना चाहिए। ये फैसला सैनिक के आत्मसम्मान पर चोट है और देश की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करने वाला है जो बिलकुल नहीं चलेगा।

अग्निपथ पर तेजस्वी यादव ने पूछा- 90 दिन छुट्टी मिलेगी या नहीं, सैनिक की तरह अग्निवीर अफसर क्यों नहीं?

पटना, 17 जून (एजेन्सी)। अग्निपथ योजना को लेकर यूपी- बिहार समेत देश के कई राज्यों में हो रहे हिंसक प्रदर्शन के बीच सरकार विपक्ष के निशाने पर है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी अग्निपथ योजना को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। तेजस्वी यादव ने पूछा कि अग्निपथ स्कीम क्या शिक्षित युवकों की मनरेगा स्कीम है? तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर सरकार से सवाल पूछा कि 4 साल के ठेके पर बहाल होने वाले अग्निवीरों को एक वर्ष में क्या नियमित सैनिक की तरह 90 दिनों की छुट्टियाँ मिलेंगी या नहीं? उन्होंने इसके साथ ही दूसरा सवाल ये पूछा कि अग्निपथ योजना अगर न्यायसंगत है तो इसमें ठेके पर अफसरों की भर्ती क्यों नहीं ?केवल ठेके पर सैनिकों की ही भर्ती क्यों की जा रही है?

वहीं दूसरी तरफ आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अग्निपथ स्कीम के खिलाफ ट्वीट कर सरकार को कटघरे में खड़ा किया था। लालू यादव ने ट्विटर पर लिखा था- युवाओं को लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी माँगों को रखना चाहिए। केंद्र सरकार अविलंब अग्निपथ योजना को वापस लें। भाजपा सरकार की पूँजीपरस्त और युवा विरोधी नीतियों के कारण बेरोजगारी बढ़ी है। क्या यह ठेकेदारों द्वारा थोपी गयी सरकार है जो सेना की नौकरी भी ठेके पर दे रही है? आरजेडी ने अग्निपथ योजना के खिलाफ शनिवार को बिहार बंद का ऐलान किया है।

गौरतलब है कि अग्निपथ स्कीम को लेकर बिहार के कई जिलों में शुक्रवार को जमकर उपद्रव हुआ है। उपद्रवियों ने सबसे ज्यादा रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। कई ट्रेनों में आगजनी की खबर है। लखीसराय स्टेशन पर उपद्रवियों ने जमकर तोड़फोड़ की साथ ही वहां खड़ी विक्रमशिला एक्सप्रेस ट्रेन की 23 बोगियों को आग के हवाले कर दिया। देखते ही देखते पूरी ट्रेन जलकर खाक हो गई। इसके अलावा आउटर पर खड़ी जनसेवा एक्सप्रेस में भी आगजनी की गई साथ ही मालगाड़ियों को रोककर लूटपाट की गई।

'अग्निपथ' योजना को लेकर केंद्र पर बरसे लालू, 72 घंटे का अल्टीमेटम

पटना, 17 जून (का.सं.)। अग्निपथ योजना को लेकर बिहार के कई जिलों में हो रहे हिंसक प्रदर्शन के बीच आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने ट्वीट कर प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने की अपील की है। लालू यादव ने ट्वीट कर लिखा 'युवाओं को लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी माँगों को रखना चाहिए। छात्र-युवा संगठन आइसा-इनौस, रोजगार संघर्ष संयुक्त मोर्चा और सेना भर्ती जवान मोर्चा ने मोदी सरकार को 72 घण्टे का अल्टीमेटम देते हुए 18 जून को बिहार बंद बुलाया है। इस बंद को आरजेडी, लेफ्ट महागठबंधन ने समर्थन दिया है। दूसरी तरफ यूपी में भी शनिवार को जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) ने हर जिले में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

लालू यादव ने शुक्रवार को अग्निपथ योजना को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए लिखा- केंद्र सरकार अविलंब अग्निपथ योजना को वापस लें। भाजपा सरकार की पूँजीपरस्त और युवा विरोधी नीतियों के कारण बेरोजगारी बढ़ी है। क्या यह ठेकेदारों द्वारा थोपी गयी सरकार है जो सेना की नौकरी भी ठेके पर दे रही है? गौरतलब है कि अग्निपथ योजना के खिलाफ बिहार में शुक्रवार को उग्र प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शकारियों ने 8 ट्रेनों में आग लगा दी।

समस्तीपुर और लखीसराय में प्रदर्शनकारियों ने दो-दो ट्रेनों को आग के हवाले कर दिया। इसके अलावा दानापुर, फतुहा, आरा और सुपौल में भी प्रदर्शनकारियों ने एक-एक ट्रेन को आग के हवाले कर दिया। आरा के बिहिया स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने स्टेशन काउंटर से 3 लाख रुपये की लूट की भी खबर है। अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे युवाओं ने मुजफ्फरपुर के सिहो स्टेशन पर एक मालगाड़ी की बोगी को आग के हवाले कर दिया। गाड़ी से आये युवकों ने केरोसिन तेल छिड़ककर गार्ड बोगी में आग लगा दी। आग लगाने से पहले युवकों ने गार्ड को डरा धमका कर बोगी से उतारकर भगा दिया।

थाने के सामने सूबेदार मेजर की बेरहमी से हत्या, आरोपियों ने फोन पर कबूला जुर्म

पटना, 17 जून (का.सं.)। बिहार के भभुआ में थाने के सामने ही असम रायफल्स के नायक सूबेदार मेजर की हत्या कर दी गई है। गुरुवार की रात से तीन बजे के बीच इस वारदात को अंजाम दिया गया। मृतक 48 वर्षीय शशिभूषण तिवारी उर्फ मंटू तिवारी चांद गांव के निवासी थे। उनकी ड्यूटी अरुणाचल प्रदेश की बर्मा सीमा पर लगी थी। वह छुट्टी में अपने गांव आए थे। हत्या के समय नायक सूबेदार मेजर अपने छोटे भाई नागा तिवारी के घर के बरामदे में लगी चौकी पर सोए थे। पुलिस ने उनके शव को शुक्रवार को बरामद किया।

वारदात की सूचना पर पहुंची एसडीपीओ सुनीता कुमारी व पुलिस इंसपेक्टर आरके पांडेय ने घटनास्थल और निर्माणाधिन भवन की जांच की और एक-एक चीज पर बारीकी से नजर डाली। इनके साथ थानाध्यक्ष संजय कुमार, एसआई प्रियंका कुमारी सहित कई पुलिस अफसर व जवान थे। एसडीपीओ ने बताया कि घटना स्थल से खून लगे उस फरसा को बरामद कर लिया गया है। वहां बदमाशों के जूते-चप्पल भी मिले हैं, जिन्हें थाने लाया गया है।

एसडीपीओ ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। अभी परिजन शव का अंतिम संस्कार करने वाराणसी गए हैं। वहां से लौटेंगे तो मामले में आवेदन देंगे। उसी के आधार पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू की जाएगी। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि शशिभूषण चांद चौक के पास भवन का निर्माण करा रहे थे, जिसके लिए उन्होंने ठेका दे रखा था। नक्शा के अनुरूप भवन का निर्माण नहीं कराए जाने को लेकर मजदूर व राजमिस्त्री से नायक सूबेदार मेजर की गुरुवार की दोपहर में बहस हुई थी।

थानाध्यक्ष ने बताया कि शशिभूषण की डायरी में चैनपुर थाना क्षेत्र के मेढ़ निवासी राजमिस्त्री श्रवण कुमार गोंड का मोबाइल नंबर मिला। उसके मोबाइल नंबर पर फोन कर बात की गई तो उसने स्वीकार किया कि वही लोग फरसा से काटकर नायक सूबेदार मेजर की हत्या किए हैं। इस घटना के बाद से सभी मजदूर व मिस्त्री फरार हैं। इसमें शामिल बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

असम रायफल्स के नायक सूबेदार मेजर शशिभूषण तिवारी मई माह में छुट्टी में आए थे। नौ मई को उनके भतीजे का जनेऊ कार्यक्रम था। उनका परिवार बनारस के रामनगर में बने मकान में रहता है। वह अपने गांव चांद में भी भवन का निर्माण करा रहे थे। घटना की सूचना पर उनकी पत्नी सीमा तिवारी, बेटा अंबुज तिवारी, छोटी बेटी और मां 90 वर्षीया प्रभावती कुंवर अपने गांव चांद पहुंच गई हैं।

स्कूली छात्रों को दिए गए प्रमाणपत्र

अनुगामिनी का.सं.

नामची, 17 जून। नामची के जिलाधिकारी भरणी कुमार और जिला सूचना अधिकारी (आईपीआर), नामची श्रीमती दीसि प्रधान ने नामची बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित फ्लैश मोब कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रमाण पत्र और मानदेय प्रदान किया।

इस कार्क्रम का आयोजन 3 मई को पूर्वोत्तर महोत्सव के दौरान किया गया था।

इसके अलावा, भरणी कुमार ने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों के लिए प्रेरित किया।

उल्लेखनीय है कि फ्लैश मॉब जिला मजिस्ट्रेट नामची के निर्देशन में आईपीआर नामची की टीम द्वारा शुरू की गई एक पहल है।

तिस्ता नदी में .....

तिस्ता स्टेज-v से लेकर उत्तर सिक्किम के चुंगथांग में स्टेज-1 से बारिश के कारण जमा पानी को बीच-बीच में छोड़ा जाता है। इसके कारण ही आज सिंगताम शहर के निकट तिस्ता नदी में जल प्रवाह में अचानक वृद्धि हुई।

बाद में राई को एक एक्सवेटर लाकर उसे बड़े चट्टान तक पहुंचाया गया और एक ब्रिज बनाकर नदी से बाहर निकाल लिया गया। राई दार्जिलिंग का स्थायी निवासी है और यहां दवा कम्पनी में कार्यरत है। उसके बचाव हेतु सिंगताम तथा तिमी तार्कु पुलिस अधिकारियों के अलावा एनएचपीसी और इंडियन रिजर्व बटालियन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अभियान चलाया था।

कर्नाटक में 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर पर रोक, प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का निर्देश

बेंगलुरु, 17 जून (एजेन्सी)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को धार्मिक स्थलों, पब और रेस्टोरेंट सहित कहीं भी रात 10 बजे से सुबह छह बजे के बीच लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रितु राज अवस्थी और जस्टिस अशोक एस किनागी की खंडपीठ ने अधिकारियों को लाउडस्पीकर, सार्वजनिक संबोधन प्रणालियों और वाद्य यंत्रों के दुरुपयोग को रोकने के लिए अभियान चलाने तथा तीन सप्ताह में अदालत को कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा, 'संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने की आवश्यकता है और वे रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक लाउडस्पीकर, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली और अनुमेय डेसिबल से अधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले संगीत वाद्य यंत्रों के उपयोग की अनुमति नहीं देंगे।'

हालांकि, सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम और पुलिस अधिनियम के तहत ऐसा कोई लाइसेंस नहीं दिया गया है। अदालत ने इस बयान को दर्ज किया और अधिकारियों को अभियान चलाने तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

याचिका पर सुनवाई तीन सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई है। यह याचिका राकेश पी ने 2021 में दायर की थी।

Skill India

फा.सं. 46-1/2021-डीजेएसएस (एसएसडीई)

भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

शुद्धिपत्र

कौशल विकास के लिए जन शिक्षण संस्थान (एनजीओ) की स्थापना हेतु रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करने के संबंध में सूचना

यह नए जेएसएस की स्थापना के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के संबंध में दिनांक 22 मई 2022 के समाचा पत्रों (दैनिक) में प्रकाशित मंत्रालय की सूचना के संदर्भ में है।

पिछले नोटिस के नियम और शर्तों को निम्नानुसार संशोधित किया गया है:

- एफसीआरए शर्त अनिवार्य होने के बजाय वैकल्पिक है। यदि किसी गैर सरकारी संगठन को अतीत में कोई विदेशी धन प्राप्त हुआ है, या भविष्य में प्राप्त करने का इरादा रखता है, तो उन्हें एफसीआरए अनुमोदन प्रस्तुत करना होगा।
- बैंक गारंटी 18 महीने के लिए 30 लाख रुपये के बजाय 12 महीने के लिए 20 लाख रुपये की होगी।
- ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख **10 जुलाई 2022** तक बढ़ा दी गई है।

हेत राम
अवर सचिव

davp 63101/11/0007/2223

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

(छात्रवृत्ति अनुभाग)

चयन वर्ष 2022-23 के लिए अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए राष्ट्रीय समुद्रपारीय छात्रवृत्ति योजना (एनओएस)

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, चयन वर्ष 2022-23 के लिए अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों से राष्ट्रीय समुद्रपारीय छात्रवृत्ति योजना (एनओएस) के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है। यह छात्रवृत्ति परास्नातक (मास्टर) स्तर, पीएचडी और पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधान कार्यक्रमों में विदेश में उच्चतर अध्ययन करने के लिए चुने गए छात्रों को प्रदान की जाती है।

छात्रवृत्ति के लिए स्लॉटों की संख्या: 20

इच्छुक उम्मीदवार https://overseas.tribal.gov.in/ के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि है: 30/07/2022

उम्मीदवार अधिक जानाकारी के लिए मंत्रालय के पोर्टल: https://overseas.tribal.gov.in/ को देख सकते हैं।

नोट: योजना दिशानिर्देश संशोधन के अधीन हैं और परिवर्तनों को जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा। उम्मीदवारों से उपर्युक्त पोर्टल पर नजर रखने की अपेक्षा है।

davp 43101/11/0006/2223

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR VULTURE EVENING

Draw No:181 DrawDate on:17/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 58G 38723

Cons. Prize Rs.1000/- 38723 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

00392 01379 03120 05855 26487 46434 57250 58519 80180 84978

3rd Prize ₹450/-

0514 0693 1687 2175 3899 5863 6111 7499 7795 7867

4th Prize ₹250/-

0377 0887 0919 1182 2161 2303 3112 4709 6170 9585

5th Prize ₹120/-

0062 0175 0227 0261 0318 0468 0507 0909 0990 0991
1087 1145 1265 1417 1419 1439 1685 1813 2184 2201
2202 2273 2315 2665 2725 2816 2856 2890 3084 3103
3430 3600 3631 3684 3769 3788 3862 3908 3966 4087
4089 4159 4242 4318 4436 4485 4556 4564 4626 4698
4753 4807 4949 5030 5070 5211 5290 5337 5393 5413
5581 5873 5880 5894 5999 6058 6067 6096 6491 6621
6758 6760 6880 6910 6962 7006 7067 7338 7371 7460
7523 7687 7734 7840 7911 7989 8096 8277 8330 8390
8525 8826 8889 8924 8969 9152 9289 9349 9507 9895

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR HOOGHLY MORNING

Draw No:81 DrawDate on:17/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 86D 65845

Cons. Prize Rs.1000/- 65845 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

12246 32072 52959 56236 56380 66988 77879 79029 84098 95280

3rd Prize ₹450/-

0350 0794 0925 2503 3189 3978 5470 5802 8091 9120

4th Prize ₹250/-

1434 1717 2535 2685 5144 5831 6354 6809 8876 9778

5th Prize ₹120/-

0054 0058 0299 0370 0395 0412 0417 0432 0517 0727
0838 1044 1155 1359 1445 1504 1514 1848 2016 2095
2352 2422 2430 2595 2693 3114 3191 3198 3201 3202
3285 3412 3474 3595 3615 3789 3813 3983 4000 4024
4070 4095 4128 4159 4234 4496 4610 4643 4670 4739
4741 4756 5110 5172 5311 5354 5366 5489 5982 6035
6043 6072 6086 6114 6278 6292 6420 6457 6499 6605
6798 6890 6938 7011 7028 7111 7361 7376 7617 7765
7779 7804 7918 7947 8301 8514 8600 8689 9006 9016
9070 9206 9451 9478 9485 9542 9671 9676 9811 9976

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR EARTH FRIDAY

Draw No:81 DrawDate on:17/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 98L 87196

Cons. Prize Rs.1000/- 87196 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

06461 18771 22903 30876 39947 41910 48520 49135 93907 97012

3rd Prize ₹450/-

1641 2828 3258 3362 5943 6795 7446 8024 8854 9772

4th Prize ₹250/-

2393 2529 3442 4149 4155 5872 6429 7121 8684 9998

5th Prize ₹120/-

0051 0088 0278 0296 0325 0745 0868 0880 0984 1060
1185 1248 1249 1276 1325 1339 1369 1374 1397 1670
1792 1833 2188 2301 2368 2499 2522 2546 2596 2605
2609 2622 2688 2778 3009 3031 3127 3137 3146 3256
3455 3557 3586 3641 3793 3820 3826 3829 3948 4110
4250 4431 4538 4581 4601 4723 5044 5105 5107 5141
5202 5317 5643 5668 5695 5836 6031 6095 6160 6162
6330 6348 6421 6442 6500 6528 6530 6957 7019 7178
7242 7305 7339 7347 7393 7471 7593 7598 7878 8245
8334 8476 8513 8609 8644 9095 9739 9757 9888 9997

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

विपक्ष नहीं एकजुट

अगले महीने प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ और विपक्षी खेमों में गतिविधियां जरूर शुरू हो गई हैं, लेकिन अभी तक मामला औपचारिक कोशिशों से आगे नहीं बढ़ पाया है। और तो और विपक्षी दलों में इसे लेकर कोई एकता भी नहीं दिख रही है। 2024 में आम चुनाव होने हैं। राष्ट्रपति इलेक्शन समेत उससे पहले होने वाले सभी चुनावों में विपक्ष किस तरह से गोलबंदी करता है, यह मायने रखता है। इसी गोलबंदी से तय होगा कि अगले लोकसभा चुनाव में ताकतवर बीजेपी का ये पार्टियां कैसे मुकाबला करेंगी और क्या वे उसे मजबूत टक्कर दे पाएंगी। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर जहां विपक्ष के पास अभी कोई स्पष्ट रणनीति नजर नहीं आ रही है, वहीं सत्ता पक्ष में इसे लेकर दुविधा या उलझन के कोई संकेत नहीं हैं। उसके सामने सभी सहयोगियों को साथ रखने की चुनौती जरूर है। खासकर, नीतीश कुमार के हालिया रुख की वजह से यह चुनौती कुछ गंभीर लगने लगी है। लेकिन इसके बरक्स विपक्षी खेमे को देखें तो वहां उलझन और दुविधा ही नहीं आपसी स्पर्धा और तालमेल की कमी भी साफ दिख रही है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से विपक्षी दलों के नेताओं से संपर्क साधने की प्रक्रिया शुरू ही हुई थी कि टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने अपनी तरफ से विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक बुला ली। इस जल्दबाजी पर कई दलों और नेताओं ने एतराज भी जताया। कई दलों ने प्रमुख नेताओं के बजाय दूसरी-तीसरी पांत के नेताओं को भेजकर काम चला लिया।

तेलंगाना राष्ट्र समिति के प्रमुख केसीआर काफी पहले से विपक्षी दलों को एकजुट करने की मुहिम में लगे हुए हैं। इसके बावजूद उन्होंने बैठक में शामिल होना जरूरी नहीं समझा। यहां तक कि उनकी पार्टी की तरफ से कोई प्रतिनिधि भी इस बैठक में नहीं भेजा गया। ध्यान रहे, राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष जीत-हार की लड़ाई नहीं लड़ रहा। चुनाव होने की स्थिति में सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार का जीतना लगभग तय माना जा रहा है। अगर कुछ महत्वपूर्ण है तो यह सवाल कि दोनों पक्षों में से कौन सा पक्ष कितनी एकजुटता और कितना सामंजस्य बनाए रखते हुए कितनी अच्छी रणनीति से लड़ता है और यह भी कि बाड़ पर खड़े दलों में से कौन कितने को अपनी तरफ खींच पाता है। इस लिहाज से शिरोमणि अकाली दल, आम आदमी पार्टी, बीजेडी और वाईएसआरसीपी जैसे नॉन-एनडीए दल विपक्षी खेमे के लिए महत्वपूर्ण हैं। फिर भी ये सभी पार्टियां विपक्षी दलों के नेताओं की इस बैठक से गैरहाजिर रहीं। कहा जा सकता है कि यह तो पहली ही बैठक थी।

ममता बनर्जी के शब्दों में यह महज शुरुआत है। लेकिन शुरुआती संकेत अच्छे नहीं हैं। विपक्ष को अगर राष्ट्रपति चुनाव के जरिए कोई अच्छा संदेश देना है तो उसे अपने खेमे के अंदर की अनिश्चितता को दूर करते हुए सबको साथ लेकर चलने की क्षमता प्रदर्शित करनी होगी।

समर्थ गांव - संकल्प से सिद्धि की ओर

गिरिराज सिंह
केंद्रीय मंत्री

आज देश आजादी के 75वें वर्ष के रूप में अमृत महोत्सव मना रहा है। सरदार पटेल के सपने को साकार करने के लिए पिछले 8 साल में मोदी सरकार ने बुलंद इमारत बनायी है। यही नहीं मोदी सरकार ने 2047 में भारत के भव्य स्वरूप की रूपरेखा तैयार ही नहीं की है बल्कि उस पर तेजी से अमल शुरू कर दिया है।

आजादी के बाद सरकारें तो आती और जाती रहीं, कांग्रेस सरकार गरीबी हटाओ का नारा देती रही परन्तु गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। पहली बार मूलभूत सुविधा देने का काम मोदी सरकार ने किया। कांग्रेस ने इंदिरा आवास योजना बनाकर अपने ही नेताओं का महिमामंडन किया। 2014 तक केवल 3.25 लाख करोड़ मकान ही बन पाए थे, लेकिन मोदी सरकार ने पिछले 8 सालों में ढाई करोड़ से ज्यादा मकान बनाने का काम किया और उन्हें न केवल आवास दिया बल्कि उनके लिए शौचालय भी दिया।

पहले इंदिरा आवास योजना में केवल मकान था, हमने घर में केवल शौचालय ही नहीं दिया, बल्कि उज्जवला योजना के माध्यम से खाना बनाने के लिए गैस, उजाला के तहत उन घरों में रोशनी पहुंचाई और जन धन योजना के तहत 2 लाख के बीमा सहित बैंक में अकाउंट भी खुलवाए। आज देश में लगभग 45 करोड़ गरीबों के खाते खोले जा चुके हैं।

पहले लोग मजाक उड़ाते थे कि इससे क्या मिलेगा, लेकिन जब भारत सहित विश्व कोरोना वायरस की चपेट में आया, रोजगार, जान-माल सभी खतरे में पड़ गए, उस समय उन खातों में पैसे मोदी सरकार ने भेजे। 80 करोड़ गरीब लोगों को गरीब कल्याण योजना के तहत राशन मुहैया कराया गया। मोदी सरकार ने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी की स्थिति में भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश की, जिसके कारण कोरोनाकाल में कृषि आधारित उत्पादनों के निर्यात में 23 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

गांव में कभी 2005 में बड़े जोर-शोर से कांग्रेस के शासन में मनरेगा जैसी योजना लाई गयी और उस मनरेगा जैसी योजना में गरीबों के पास उनकी मजदूरी कम जाती थी और वह भ्रष्टाचार एवं बिचौलियों की भेंट चढ़ जाती थी। कांग्रेसी और विपक्षियों को लगता था कि मोदी जी मनरेगा को बंद कर देंगे, परंतु प्रधानमंत्री जी ने कहा कि मैं इसे बंद नहीं करूंगा, इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सशक्त आधार बनाऊंगा, यह जीविकोपार्जन का सशक्त आधार होगा।

आप देखें कि 2014 में मनरेगा में केवल 33 हजार करोड़ का बजट था और आज लगातार पिछले कई वर्षों से एक लाख करोड़ से भी ज्यादा का बजट है । यही नहीं इसमें मजदूरों की भागीदारी, जिनको काम नहीं मिल रहा था, उन हाथों में रोजगार देने की भागीदारी भी बढ़ी। जैसे 2006-07 से 2013-14 के बीच केवल 1660 करोड़ कुल श्रमदिवस सृजित हुए थे और 2014-15 से आज तक देखें तो लगभग ढाई हजार करोड़ श्रमदिवस सृजित हुए हैं। 2006-07 से 2013-14 तक मनरेगा बजट देखें तो केवल 2,13,220 करोड़ रुपए था, आज मोदी सरकार ने 5,21,127 करोड़ रुपए खर्च किए हैं । आज बैंकों के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में 99 प्रतिशत डीबीटी होती है और मनरेगा से परिसम्पत्ति सृजित हो रहे हैं। 2014 तक जहां केवल 17 प्रतिशत व्यक्तिगत एवं सामूहिक परिसम्पत्तियों का सृजन हुआ था वहीं मई, 2022 तक 60 प्रतिशत परिसम्पत्ति सृजित हुए हैं। पारदर्शी तरीके से भुगतान हुए हैं। इससे मजदूरों को आर्थिक संबल मिला है। आज मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी 54 प्रतिशत हो गई है, जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

मैं कहना चाहूँगा कि मोदी जी ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर, नेशनल हाईवे पर, वाटरवेज पर एवं एयरवेज पर जोर दिया। जब उन्होंने कहा कि हवाई चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज से यात्रा करेगा, तो विपक्ष ने मजाक उड़ाया। गांव की कहावत है जाके पैर न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। प्रधानमंत्री मोदी जी एक चाय बेचने वाले के बेटे थे और उन्होंने गरीबी देखी थी। मैं बिहार से आता हूँ। मैंने कभी सोचा नहीं था कि दरभंगा में भी हवाई जहाज उतरेगा और वहां के गरीब मजदूर, किसान हवाई जहाज की यात्रा करेंगे एवं फोर लेन की सड़क से जाएंगे। आज उन सड़कों को हम प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जोड़ने का एवं गुणवत्तायुक्त बनाने का काम कर रहे हैं।

सन 2000 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई ने समृद्ध गांव, ग्राम स्वराज का सपना देखा था और प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की शुरुआत की थी, जो पहाड़ी क्षेत्र, समतल क्षेत्र, नक्सली हिंसा से प्रभावित क्षेत्र सभी को शामिल करते हुए 100 घरों से ज्यादा की आबादी वाले जगहों तक सड़कों का जाल बिछाने का काम किया है। आज उन सड़कों को मोदी जी ने गुणवत्तायुक्त बनाकर चौड़ीकरण कराया। मैं इतना ही कहूंगा कि पहले जो सड़कें प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत थीं वह केवल लगभग 90 किमी प्रतिदिन की रफ्तार से बनती थीं, आज लगभग 115 किमी प्रतिदिन की रफ्तार से बनाई जा रही है।

हमने गरीबों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए 50 करोड़ गरीबों को आयुष्मान भारत से जोड़ा। प्रधानमंत्री ने आयुष्मान के रूप में 5 लाख रुपये का एक कवच कुंडल गरीबों को दिया। साथ ही आयुष्मान भारत के रूप में गरीबों को स्वास्थ्य बीमा भी दिया, जिसमें जीवन सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना है ताकि ढलती उम्र के साथ लोग पैसे के लिए मोहताज ना रहे, अपना सहारा खुद बनें। मोदी जी ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना बनाई, जिसमें जन औषधि केंद्र के रूप में गरीबों के लिए एक दवा की दुकान है, जो 30 से 80 प्रतिशत तक कम कीमत पर ब्रांडेड दवाएं मिलने का केंद्र है। गांव में रहने वाले असंगठित क्षेत्र के जो श्रमिक थे, दुकान करने वाले, मजदूरी करने वाले, सभी को ई-श्रमिक पोर्टल से जोड़ा और उनके लिए भी योजना लाए, जिसमें 3000 रुपए का पेंशन है। यह ग्राम स्वराज की एक सोच है। इसी तरह गांव में किसानों के लिए भी प्रधानमंत्री जी किसान सम्मान निधि योजना लाए, जिसमें छ6000 प्रतिवर्ष उनको उनके खाते में जाते हैं। कभी पूर्व में प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी कहते थे कि हम एक रुपए भेजते हैं तो 15 पैसा ही मिलता है, लेकिन आज लगभग 20 लाख करोड़ रुपए सबके खाते में के माध्यम से पहुँच चुका है, सभी का पूरा पैसा उनके खाते में जा रहा है, यह ग्राम स्वराज का एक जीता जागता उदाहरण है।

प्रधानमंत्री ने गांव में जो कई पीढ़ियों से रह रहे हैं उनको जमीनों का डिजिटल प्रॉपर्टी कार्ड देने के लिए स्वामित्व योजना लाने का काम किया। मेरा लक्ष्य है कि 2024 तक पूरे देश में ड्रोन के माध्यम से डिजिटल मैपिंग करके गांव में रहने वाले को अपने घरों का एक डिजिटल प्रॉपर्टी कार्ड हो। इसमें हमने 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से एमओयू किया है और लगभग 1 लाख 45 हजार गांवों में ड्रोन का उड़ान हो चुका है और 14 राज्यों के 137 जिलों में कार्य पूरे हो गए हैं। यह एक क्रांतिकारी परिवर्तन है। कंप्यूटराइजेशन ऑफ लैंड रिकॉर्ड का कार्य भी प्रगति पर है। कुल 6,56,526 में से 6,13,173 गांवों के रिकॉर्ड का कंप्यूटराइजेशन कर लिया गया है। वही देश के 5,522 सब-रजिस्ट्री कार्यालयों में से 4,885 यानी लगभग 93 प्रतिशत सब-रजिस्ट्री ऑफिस कंप्यूटराइज्ड कर दिए गए हैं।

हमने पंचायतों में महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देते हुए महिलाओं का सशक्तीकरण किया। 2014 में मोदी जी प्रधानमंत्री के रूप में आए थे, तो देश में केवल 2 करोड़ 33 लाख महिलाएं रोजगार से जुड़ी हुई थी लेकिन आज मोदी जी पर भरोसा करके उन महिलाओं की संख्या 8 करोड़ 30 लाख हो गई है और बैंकों से इनको लगभग 5 लाख करोड़ रुपए ऋण के रूप में मिले हैं और अब सपना है इनकी आमदनी कम से कम 1 लाख रुपये सालाना करना, यानी लगभग छ10,000 मासिक आमदनी होगी। इसके लिए महिलाओं ने मोदी जी के ई-गर्वेनेंस को अपना पूरा समर्थन दिया। 2024 तक हमारा लक्ष्य है 10 करोड़ महिलाओं को लखपति बनाना।

इस मिशन के माध्यम से एसएचजी से जोड़ने का काम ग्रामीण विकास मंत्रालय करेगा। हमारी सरकार का लक्ष्य है एक ऐसा पंचायत हो, जो शिक्षा युक्त पंचायत हो, महिला बाल विकास मंत्रालय के साथ मिलकर पोषण युक्त पंचायत हो, महिला रोजगार युक्त पंचायत हो, शिक्षा युक्त पंचायतें, यानी स्कूलों में विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत उपस्थिति हो, सड़क युक्त पंचायत हो, ग्रीन ऊर्जा युक्त पंचायत हो। स्वास्थ्य के क्षेत्र में 18,000 पंचायतों में वैलनेस सेंटर भी खोले जाएंगे। एक वाइब्रेंट पंचायत की परिकल्पना पंचायती राज मंत्रालय के माध्यम से मोदी जी के नेतृत्व में हम पूरा करने की ओर अग्रसर हैं। हमने स्पेस विभाग की मदद ली और शहरों की तर्ज पर, पंचायतों का मास्टर ख़लान बनाने के लिए राज्यों को दिशा निर्देशन करने का काम पंचायती राज मंत्रालय के माध्यम से किया।

जहां पूर्व में 12वें वित्त आयोग के तहत प्रति वर्ष केवल छ54 खर्च किये गये थे, वहीं आज 15वें वित्त आयोग के तहत मोदी जी ने प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष छ674 खर्च किए। यह काम पंचायतों के माध्यम से करने का एक अवसर प्रदान किया है। हमने जो ग्राम स्वराज की कल्पना की थी उसमें संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी अपनी राय दी है। संयुक्त राष्ट्र संघ के सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लक्ष्य को हमने पंचायतों के माध्यम से पूरा करने की कार्ययोजना बनाई है एवं हम उसपर अग्रसर हैं।

रोजगार का नया मार्ग अग्निपथ

शंभूनाथ शुक्ल

कोरोना से उबरने के बाद रोजगार के मोर्चे पर एक बड़ी राहत भरी खबर आई है, कि केंद्र सरकार देश के बेरोजगार युवाओं को डेढ़ साल के भीतर 10 लाख नौकरियां देगी। सरकार के तमाम विभागों में हजारों पद खाली हैं, जो अब तेजी से भरे जाएंगे। किंतु जिस नौकरी ने सबका ध्यान आकर्षित किया है, वह है सेना के तीनों अंगों (जल, थल और वायुसेना) में 46,000 जवानों की अल्पकालिक भर्ती।

सेना की इस भर्ती योजना को 'अग्निपथ' नाम दिया गया है और इसमें संविदा के तहत अल्पकालिक सेवा अवधि के लिए जवानों की भर्ती होगी। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने घोषणा की कि अग्निपथ योजना के तहत एक साल में साढ़े 17 से 21 वर्ष की उम्र के बीच के युवकों को सैन्य सेवा का अवसर मिलेगा। इन जवानों को अग्निवीर कहा जाएगा। सेना में इनकी सेवा अवधि महज चार साल की होगी।

इस दौरान उन्हें पहले वर्ष 30,000 रुपये मासिक वेतन मिलेगा, जो बढ़ते-बढ़ते चौथे वर्ष में चालीस हजार रुपये हो जाएंगे। इस सेवा से मुक्त होने पर उन्हें 11.71 लाख रुपये का एकमुश्त सेवा निधि पैकेज मिलेगा, जो टैक्स फ्री होगा। इस पैकेज के लिए जवानों के वेतन से हर महीने 30 प्रतिशत की कटौती होगी तथा इतनी ही राशि सरकार भी उनके खाते में डालेगी। लेकिन ये अग्निवीर ग्रेच्युटी और पेंशन के अधिकारी नहीं होंगे।

इन अग्निवीरों में महिला सैनिक भी होंगी। यह योजना निश्चय ही निम्न मध्य वित्तीय परिवार के बच्चों को अपनी तरफ खींचेगी। मगर चार वर्ष बाद उनका भविष्य क्या होगा, इसकी कोई स्पष्ट नीति सरकार ने नहीं घोषित की है। सैन्य विशेषज्ञ भी इसे लेकर चिंतित हैं और विरोधी दलों के लोग इसे मोदी सरकार की चुनावी रणनीति का शिगूफा बता रहे हैं।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल पीआर शंकर ने इसे किंडर गार्डेन आर्मी बताया है, तो पूर्व सैन्य अधिकारी विनोद भाटिया के अनुसार, इससे समाज के सैन्यीकरण का खतरा है। इन दोनों की आशंकाएं निर्मूल नहीं हैं। संविदा के ये सैन्यकर्मी जब चार साल बाद सेवा मुक्त होंगे, तब करेंगे क्या! युवावस्था में नौकरी न होने की हताशा में शस्त्र संचालन में निपुण ये युवा अपराध की तरफ भी जा सकते हैं।

इसलिए पूर्व सैन्य अधिकारियों का मानना है कि इन 'अग्निवीरों' के भविष्य को मजबूत करने की पूरी जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। हालांकि रक्षामंत्री ने यह भी कहा है कि इनमें से 25 फीसदी को नियमित सेना में लिया जाएगा। लेकिन सिर्फ उन्हें जो हर तरह से फिट होंगे। शेष जवानों को शस्त्र संचालन के अलावा कुछ व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि इस शॉर्ट टर्म सेवा के बाद उन्हें नौकरी पाने या स्वरोजगार शुरू करने में कोई परेशानी न हो।

लेकिन हर चार साल बाद जिन 40 हजार युवाओं को सेना से मुक्त कर दिया जाएगा, क्या वे सभी नौकरी पा जाएंगे? इसीलिए कुछ रक्षा विशेषज्ञों ने ये सवाल भी उठाए हैं कि इस अल्प अवधि की संविदा के आधार पर नौकरी पाए इन जवानों को नियमित सेना से अलग कैसे माना जाएगा? और क्या यह कोई अनिवार्य सैन्य शिक्षा योजना है? यदि ऐसा है, तो पहले से ही मौजूद एनसीसी को क्यों नहीं फिर से सक्रिय किया गया।

एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर) के तहत सेकेंडरी और यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। गौरतलब है कि 1914 में पहले विश्वयुद्ध के समय युवाओं को सैन्य शिक्षा देने के लिए यूरोप के कई देशों में अनिवार्य सैनिक सेवा या प्रशिक्षण दिए जाने की शुरुआत हुई थी। आज भी सैन्य शिक्षा विश्व के 15 देशों में अनिवार्य है।

अपुष्ट सूचनाएं हैं कि चीन में भी यह ट्रेनिंग अनिवार्य है। किसी प्रभुसत्ता संपन्न राष्ट्र में सेना की भूमिका अहम होती है-बाहरी हमलों के समय और घरेलू संकट में भी। ऐसे में अनिवार्य सैन्य शिक्षा की अवहेलना नहीं की जा सकती। परंतु इसके लिए सरकार को अपनी नीति जनता के समक्ष स्पष्ट रखनी चाहिए।

स्वच्छ परिवहन की कीमत

योगेश साहू

वर्ष 2008 में पहली मेट्रो लाइन की शुरुआत ने बंगलूरू को सतत बदलाव की स्थिति में ला दिया, जो कभी खत्म होता नहीं लगता है। हर लाइन जुड़ने के साथ जगहें और पहचान चिह्न गायब हो जाते हैं, तथा इसके चलते मलबे, कटे हुए पेड़ों के अवशेष एवं गड्ढे रह जाते हैं। न तो कभी विरोध थमता है, और न ही मेट्रो। कांच के भीतर से केवल बाहर और बाहर ही देखा जा सकता है।

एक छोटे शहर से ताल्लुक रखने वाले अशोक पर्पल लाइन पर मेट्रो ट्रेन ऑपरेटर हैं। बंगलूरू के एमजी रोड पर अपनी पहली यात्रा को याद करते हुए वह कहते हैं, 'मुझे लगा कि कोई चिड़िया शहर के ऊपर से सभी शानदार जगहों को देखते हुए उड़ रही है...यह काफी रोमांचक था।' ट्रेन से शहर सुचारू ढंग से बढ़ता दिखता है, क्योंकि आप ट्रैफिक की यातायात के शोर, धूल और गंदगी के ऊपर से गुजरते हैं।

यात्रियों का दृश्य-पथ धुएं से धुंधले क्षितिज तक फैला हुआ है, जो ऊंची-ऊंची इमारतों से घिरा हुआ है और हर गुजरते दिन के साथ बढ़ता ही जाता है। इसके बावजूद कि घर से मेट्रो के बीच की कनेक्टिविटी खराब है, महिलाओं का कहना है कि वे सफर के लिए मेट्रो को पसंद करती हैं, क्योंकि यह 'स्वच्छ', 'सुरक्षित' है और इसका उपयोग 'सभ्य लोगों' द्वारा किया जाता है।

सभ्य लोगों से उनका तात्पर्य अच्छी तरह से तैयार, व्यवस्थित मध्यम वर्गीय व्यक्ति है। अपनी पूरी दक्षता और आभा के साथ इस हाई-टेक ड्रीम मशीन मेट्रो ने हजारों लोगों के शहर में आवागमन को आसान बना दिया है, लेकिन यह कई अंतर्विरोधों से भरा है। ये अंतर्विरोध कभी-कभी कर्मचारियों की अचानक हड़ताल और तकनीकी गड़बड़ियों के रूप में सामने आते हैं।

इसकी निर्बाध गतिविधि उन अनसुलझी लड़ाइयों पर निर्भर है, जो पर्यावरणविदों, भूमि गंवाने वालों और शहर के अन्य लोगों द्वारा वर्ष 2007 से सड़क पर और अदालतों में लड़ी जा रही हैं। हालांकि इनमें से अधिकांश लड़ाइयों ने ट्रेन को ज्यादा प्रभावित नहीं किया है, क्योंकि यह निर्बाध चलती है, पूरे शहर में नए मार्ग बनाती है और हर बढ़ते शहर के भीतरी इलाकों में अपनी जगह बनाती है।

इन पंक्तियों की लेखिका को दिए अपने एकमात्र इंटरव्यू में बंगलूरू मेट्रो कॉरपोरेशन के निदेशक ने यह स्पष्ट कर दिया कि मुझे अधिकारियों, कर्मचारियों या यात्रियों से इंटरव्यू नहीं लेने दिया जाएगा। इसलिए मैंने केवल गुपचुप बातचीत और गुप्त बैठकों के जरिये मेट्रो कर्मचारियों के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त की है, और किनारे रहकर मेट्रो की खुदाई के दौरान आवासीय जगहों और उसके आसपास को नष्ट होते देखा है।

तीन साल पहले, निर्माणाधीन पिंक लाइन ने अपना मार्ग बदल दिया और 2.5 किमी से भी कम क्षेत्र में फैले तीन खेल मैदानों को निगल लिया। तीन घनी एवं निम्न आय वर्ग के लोगों की बस्तियों के लिए यही एकमात्र खुला सार्वजनिक स्थान था, जिसे स्टेशन बनाने के लिए ले लिया गया और इस तरह बच्चों एवं वयस्कों को इकट्ठा होने, खेलने, इबादत करने और जश्न मनाने के लिए जगह से वंचित कर दिया गया।

आज बांदा ग्राउंड सबसे बड़ा गड्ढा है। रात के अंधेरे में यहां के निवासियों के घरों की दीवारें भूमिगत सुरंग के झटके से हिलने लगती हैं। लोगों के घरों में पीले निशान हैं, जो बताते हैं कि उन्हें ध्वस्त कर दिया जाएगा। किसी भी निवासी को पुनर्वास की किसी योजना की जानकारी नहीं है। जब स्टेशन बनेंगे, तो पता ही नहीं चलेगा कि वहां क्या था और क्या खो गया है।

मेट्रो कॉरपोरेशन पर लगातार अपारदर्शी होने और सहभागी प्रक्रियाओं को दरकिनार करने का आरोप लगाया गया है। न केवल हरे रंग के टीन के बैरिकेड्स के भीतर निर्माण कार्य चलता रहता है, बल्कि अचानक स्थान परिवर्तन के फैसलों के बारे में भी चुप्पी छाई रहती है और उन लोगों को भी कुछ नहीं बताया जाता, जो उससे सीधे प्रभावित होते हैं। पिछले साल यात्रियों को प्लेटफॉर्म के किनारे से दूर रखने वाली एक महिला गार्ड स्वयं बेहोश होकर पटरियों पर गिर पड़ी।

सौभाग्य से वह बच गई और उसे घर भेज दिया गया। लेकिन उसके फिर से काम पर लौटने की सूचना नहीं मिली। मेट्रो कर्मचारी यूनियन के नेता स्वामी ने बताया कि हो सकता है कि वह थकावट के कारण गिर गई हो। इस तरह की कहानियां मेट्रो संचालन करने वाले लोगों के साथ उसके सामाजिक संबंधों के बारे में बताती हैं। मेट्रो अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक पर चलती है।

इसका कार्यस्थल उच्च तकनीक वाला है, लेकिन सामाजिक संबंध पुराने ढर्रे को दर्शाता है, जो 'प्रबंधन और 'काम' करने वालों के बीच बड़े पैमाने पर विभाजन पैदा करते हैं। सात साल पहले बनी यूनियन को अब तक मान्यता नहीं मिली है। प्रबंधन के अनुसार, कोई श्रमिक नहीं है, क्योंकि सभी कर्मचारी टेक्नोलॉजी के साथ काम करते हैं।

इसलिए, कर्मचारी औद्योगिक विवाद अधिनियम (1947) द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा का दावा करने में असमर्थ हैं, जिससे उचित वेतन और काम की परिस्थितियों के लिए सौदेबाजी के अधिकार सहित कई अधिकार प्राप्त होते हैं। इसके अलावा, श्रमिकों को एक गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर करना अनिवार्य होता है, जो उन्हें रोजगार की विसंगतियों और शिकायतों सहित कार्यस्थल की गतिविधियों को सामने लाने से रोकता है।

मेट्रो लाइनें शहर में स्थानों, लोगों और रोजमर्रा की जिंदगी पर उनके प्रभाव के आधार पर पदानुक्रम पैदा करती हैं। मेट्रो को तालियों की गड़गड़ाहट मिल रही है, जिसकी वे हकदार भी हैं, लेकिन इसकी आड़ में उन कहानियों को छिपा दिया जाता है, जो इसके स्याह पक्ष को दर्शाती हैं। निकट भविष्य में लगभग 50 और शहर मेट्रो को अपना सकते हैं, मगर ऐसे हर शहर को विरासत में जटिल सांगठनिक प्रवृत्तियां और कार्यशैली मिलती है, जो शायद ही पारदर्शी या समावेशी हैं।

इससे रहने लायक शहर के लिए निवासियों की जद्दोजहद बढ़ जाती है। इन प्रतिस्पर्धाओं के परिणाम मेट्रो को या तो समावेशी शहरी भविष्य के लिए एक भागीदार में बदल सकते हैं, या फिर लोगों और जगहों पर किसी कल्पित शहर के अपने दृष्टिकोण का ठप्पा लगा सकते हैं।

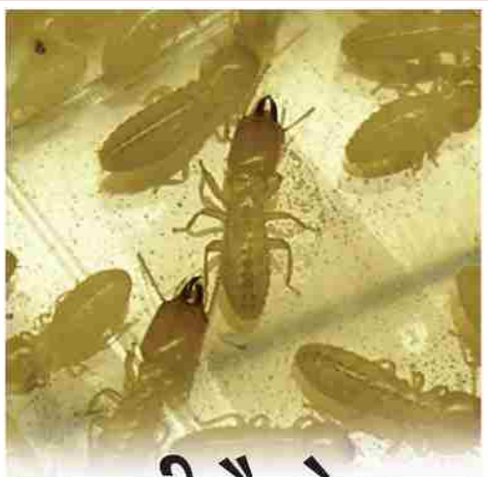

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का ऑकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थों को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट मे ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५० लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपटटा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी ऑखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी ऑखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

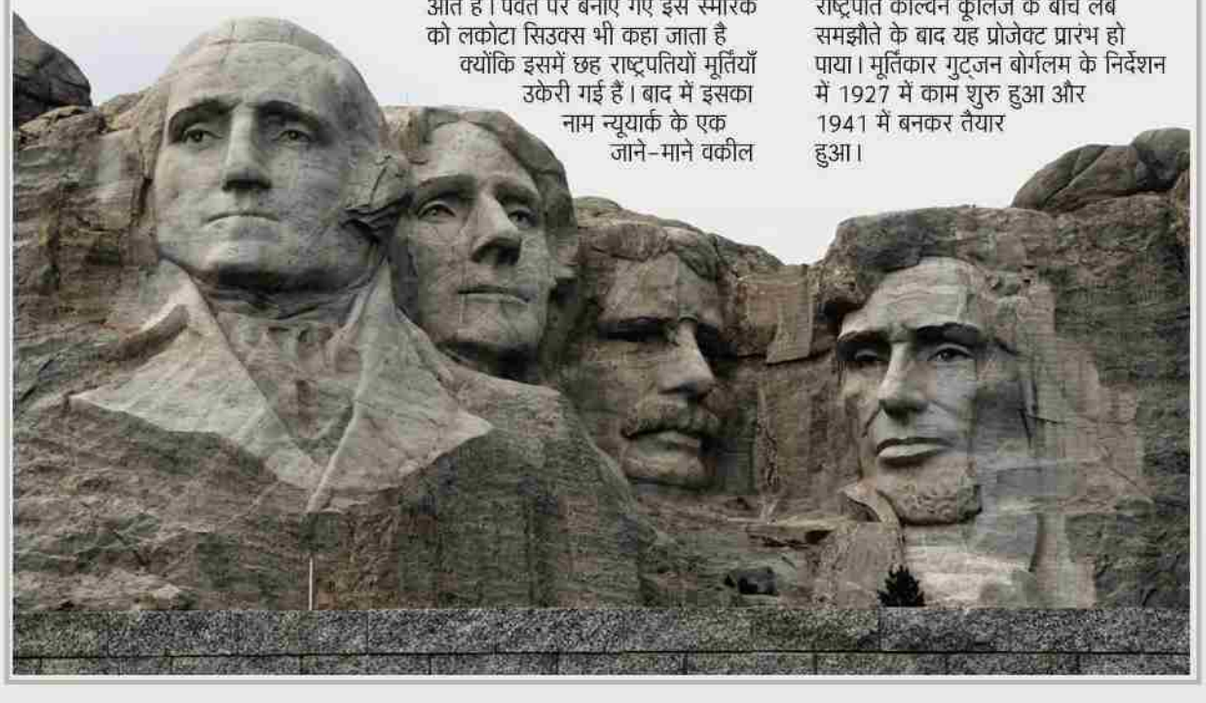

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं: सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी।

एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए।

अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अनिंका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं।

शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे।

प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अनिंका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे।

यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।'

यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई।

सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अनिंका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।'

इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

फ्रांस में भी चलेंगे यूपीआई और रुपे कार्ड, भारत ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। भारत में डिजिटल लेनदेन अब रिकॉर्ड स्तर पर चल रहा है, ज्यादातर लोग मोबाइल वॉलेट से ही भुगतान करते हैं। वहीं अब फ्रांस की सैर करने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है क्योंकि जल्द ही यहां यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और रूपे कार्ड स्वीकार किए जाएंगे।

फ्रांस में भारतीय राजदूत जावेद अशरफ ने जानकारी दी कि भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और रुपे कार्ड जल्द ही फ्रांस में स्वीकार किए जाएंगे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया इंटरनेशनल (एनपीसीआई इंटरनेशनल), नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय शाखा ने फ्रांसीसी भुगतान कंपनी लायरा नेटवर्क के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू के मुताबिक लायरा नेटवर्क भारतीयों को अपनी मशीनों पर यूपीआई और रुपे कार्ड का उपयोग करके भुगतान करने की अनुमति देगा, जिससे विशेष रूप से भारत के छात्रों और पर्यटकों के लिए भुगतान करना आसान हो जाएगा।

वहीं इससे पहले केंद्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि फ्रांस में 'यूपीआई और रुपे कार्ड की स्वीकृति' के लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल और फ्रांस के लाइरा नेटवर्क के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही कहा था कि भारत एक महीने में 5.5 अरब यूपीआई लेनदेन कर रहा है। फ्रांस के साथ एमओयू हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है।

भारतीय लोग पहले से ही भूटान और सिंगापुर जैसे देशों में यूपीआई का उपयोग कर सकते हैं। एनपीसीआई इंटरनेशनल भी नेपाल में यूपीआई भुगतान को सक्षम करने के लिए बातचीत कर रहा है।

अप्रैल में एनपीसीआई इंटरनेशनल ने मशरेक बैंक की भुगतान सहायक कंपनी नियोपे के साथ साझेदारी करने के बाद यूएई के बाजार में प्रवेश किया है। साझेदारी के साथ, एनपीसीआई के जरिए यूएई में भारतीय पर्यटक नियोपे से जुड़ी दुकानों और मर्चेंट स्टोर्स में यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।

आरबीआई ने ऑटो डेबिट भुगतान को लेकर सत्यापन की अतिरिक्त व्यवस्था 5,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी है। इसका मतलब है कि प्रति लेनदेन 15,000 रुपये के भुगतान के लिए अतिरिक्त सत्यापन जरूरी नहीं होगा।

आरबीआई ने बृहस्पतिवार को कहा, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ऑटो डेबिट भुगतान की रूपरेखा के क्रियान्वयन और ग्राहकों के लिए उपलब्ध सुरक्षा उपायों की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है।

बढ़ती महंगाई के पीछे आरबीआई की नीतियां जिम्मेदार नहीं : गवर्नर दास

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को महंगाई को कम करने के मद्देनजर उठाए गए कदमों पर बोलते हुए कहा कि कोरोना महामारी के दौरान उच्च मुद्रस्फीति को सहन करना एक आवश्यकता थी। इसको नियंत्रित करने के लिए हमारे द्वारा उचित कदम उठाए जा रहे हैं। हम अपने हर फैसले पर पूरी तरह से कायम हैं।

दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक आर्थिक विकास की आवश्यकताओं के अनुरूप था और आरबीआई को नियंत्रित करने वाले कानूनों में स्पष्ट रूप से मुद्रास्फीति के प्रबंधन के बारे में उल्लेख किया गया है। आरबीआई ने महामारी की स्थिति में विकास पर ध्यान केंद्रित किया और आसान तरलता की स्थिति पेश की। इसके बावजूद, वित्त वर्ष 2021 में अर्थव्यवस्था 6.6 प्रतिशत तक सिकुड़ गई। दगौरतलब है कि आरबीआई गवर्नर का यह बयान पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम की उस टिप्पणी के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए उपयुक्त कदम उठाने में रिजर्व बैंक ने देरी की।

शक्तिकांत दास ने कहा कि मार्च में आरबीआई ने महसूस किया कि आर्थिक गतिविधि पूर्व-महामारी के स्तर से ऊपर थी और मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया।

इसके साथ ही उन्होंने जोड़ा कि आरबीआई ने सक्रिय रूप से काम किया है और मैं फैसले के खिलाफ किसी भी धारणा से सहमत नहीं हूं। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए कि अगर हमने दरों में जल्दी वृद्धि करना शुरू कर दिया होता, तो विकास का क्या होता?

इसके साथ ही दास ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि बहुत जल्द ही सुरक्षित डिजिटल लेनदेन सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए नियमों का खुलासा किया जाएगा। इसके साथ ही जबरन बोन वसूली करने वालों के लिए भी एक सख्त नियम लाया जाएगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ब्लॉकचेन खलेयर्स के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है।

2022-23 में मध्य जून तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 45 फीसदी बढ़ा, सरकार के खजाने में 3.39 लाख करोड़ जमा

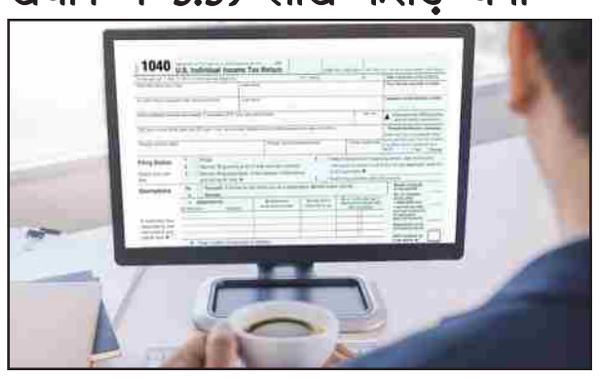

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। आयकर विभाग ने शुक्रवार को जानकारी दी है कि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जून के मध्य तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर 45 फीसदी बढ़कर 3,39,225 करोड़ रुपये हो गया।

इस 3,39,225 करोड़ के शुद्ध कर संग्रह में 1.70 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निगम कर और सुरक्षा लेनदेन कर सहित व्यक्तिगत आयकर शामिल है, जो 1.67 लाख करोड़ से अधिक है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा, वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 16 जून तक प्रत्यक्ष कर के आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध संग्रह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में (2,33,651 करोड़ रुपये की तुलना में 3,39,225 करोड़ रुपये) अधिक है। पिछले वर्ष के कर संग्रह की तुलना में 45 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अग्रिम कर संग्रह 1.01 लाख करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 75,783 करोड़ रुपये था जो कि 33 फीसदी से अधिक की वृद्धि है। इसमें निगम कर 78,842 करोड़ रुपये और व्यक्तिगत कर 22,175 करोड़ रुपये है।

दुनिया के टॉप अमीरों को लगा जोरदार झटका, मस्क से लेकर अंबानी तक की संपत्ति घटी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। शुक्रवार का दिन दुनिया के टॉप-10 अमीरों के लिए बुरा साबित हुआ और उनकी संपत्ति में बढ़ी गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा घाटा एलन मस्क को उठाना पड़ा है, उनकी नेटवर्थ बीते 24 घंटे में 14 अरब डॉलर का हो गई। इसके अलावा जेफ बेजोस, वॉरेन बफे, मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

दुनिया के सबसे अमार व्यक्ति और टेस्ला व स्पेसएक्स कंपनी के मालिक एलन मस्क की नेटवर्थ 14 अरब डॉलर का होकर 203 अरब डॉलर रह गई। इसके अलावा अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को भी बीते 24 घंटे में 4.20 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है और उनकी संपत्ति इस गिरावट के साथ 127 अरब डॉलर पर पहुंच गई है।

गिरादवट के इस दौर में टॉप-10 सूची में तीसरे नंबर पर मौजूद बर्नार्ड अर्नाल्ट की नेटवर्थ 38.9 करोड़ डॉलर घटकर 122 अरब डॉलर, जबकि माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स की संपत्ति 1.73 अरब डॉलर की कमी के साथ 112 अरब डॉलर रह गई है। इस दौरान सूची में पांचवें नंबर पर मौजूद लैरी पेज 2.99 अरब डॉलर की कमी के साथ 97.1 अरब डॉलर रह गई है।

टॉप-10 अमीरों की सूची में शामिल दोनों भारतीय उद्योपतियों मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी को भी बड़ा घाटा हुआ है। जहां एक ओर अंबानी की नेटवर्थ 1.40 अरब डॉलर की कमी के साथ 92.9 अरब डॉलर रह गई, वहीं गौतम अदाणी की दौलत 2.19 अरब डॉलर कम होकर 92.7 अरब डॉलर रह गई।

छठे नंबर पर मौजूद दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के लिए भी शुक्रवार बुरा सबित हुआ, उनकी दौलत में 3.43 अरब डॉलर की कमी आई। इसके बाद बफे की नेटवर्थ कम होकर 93.4 अरब डॉलर रह गई। सातवें पायदान पर काबिज सग्रेई ब्रिन की नेटवर्थ 2.82 अरब डॉलर की कमी के साथ 93.1 अरब डॉलर, जबकि 10वें स्थान पर बने हुए स्टीव बाल्मर को 2.19 अरब डॉलर का नुकसान हुआ और उनकी नेटवर्थ 87.7 अरब डॉलर रह गई है।

आपूर्ति बढ़ने से 15 रुपये घटीं ब्रांडेड खाद्य तेलों की कीमतें, आने वाले समय में और सस्ता होने की उम्मीद

मुंबई, 17 जून (एजेन्सी)। ब्रांडेड खाद्य तेल कंपनियों ने सोया, पाम और सूरजमुखी तेलों की कीमतों में प्रति लीटर 15 रुपये तक की कमी की है। मई के अंत से तेलों की आपूर्ति में सुधार से यह कदम उठाया गया है। कंपनियों का कहना है कि मई की तुलना में जून में मांग बढ़ने और आपूर्ति ज्यादा होने की उम्मीद है। इससे आने वाले समय में कीमतों में थोड़ी और कमी हो सकती है।

इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के प्रेसीडेंट सुधाकर राव देसाई ने अमर उजाला को बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल के दाम में नरमी आई है और इस वजह से यहां भी इसका असर देखा गया है। हम इसका फायदा ग्राहकों को दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो प्रीमियम ब्रांड हैं, वे इस कटौती का फायदा देने में कुछ समय लगा सकते हैं।

तेल कंपनियों ने पाम तेल को 7 से 8 रुपये सस्ता किया है जबकि सूरजमुखी तेल में 10-15 रुपये तक की कमी की है। सोयाबीन के तेल का भाव 5 रुपये लीटर कम हुआ है। सभी तेलों का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) भी कम कर दिया गया है। हालांकि नए एमआरपी वाला तेल अगले हफ्ते तक ही बाजार में पहुंच पाएगा।

जेमिनी कंपनी ने भी सूरजमुखी तेल की कीमत 15 रुपये प्रति लीटर घटाकर 220 रुपये कर दी है। अगले हफ्ते यह 20 रुपये और घटाने की योजना बना रही है।

देसाई के अनुसार, मई महीने में 10-11 लाख टन से ज्यादा तेल का आयात हुआ है। इसमें 6 लाख टन पाम तेल और 3 लाख टन सोया तेल है। जबकि बाकी अन्य तेल हैं। जून महीने में भी 9-10 लाख टन आयात रहने की उम्मीद है। इसमें सोया, पाम और सूरजमुखी के तेल शामिल हैं।

जानकारों के मुताबिक, तेल की कीमतों में गिरावट का सीधा असर खाद्य महंगाई पर पड़ेगा, जो इस समय काफी ज्यादा है। मई की महंगाई में खाने के तेल और फैट का योगदान 13.26 फीसदी से ज्यादा था, क्योंकि एक साल में इनके दाम तेजी से बढ़े थे।

पिछले कुछ समय से केंद्र सरकार ने खाद्य तेलों के आयात शुल्क में भी कटौती की थी जिससे तेलों की कीमतों को कम करने में मदद मिली। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सोया तेल की कीमत एक महीने में 170.27 से घटकर 168.57 रुपये और पाम तेल की कीमत 158.61 से घटकर 154.42 रुपये पर आ गई हैं।

विजय शेखर शर्मा ने 11 करोड़ रुपये में खरीदे पेटीएम के 1.7 लाख शेयर

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। पेटीएम के शेयरों में आज जबरदस्त तेजी है। कंपनी के शेयर पर 5.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 646.30 रुपये पर बंद हुए हैं। दरअसल, पेटीएम के शेयरों में यह तेजी उस खबर के बाद देखने को मिल रही है, जिसमें वन97 कम्युनिकेशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय शेखर शर्मा ने कंपनी के 1.7 लाख शेयर खरीदने की बात कही है। एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, डिजिटल वित्तीय सेवा फर्म वन97 कम्युनिकेशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय शेखर शर्मा ने कंपनी के 11 करोड़ रुपये के 1.7 लाख शेयर खरीदे हैं। पेटीएम ब्रांड के तहत काम करने वाली कंपनी के खुलासे से पता चलता है कि शर्मा ने 30-31 मई को शेयर खरीदे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, शर्मा ने 30 मई को 6.31 करोड़ रुपये के 1,00,552 शेयर और 31 मई को 4.68 करोड़ रुपये के 71,469 शेयर खरीदे हैं।

नियमों के अनुसार, शर्मा को पेटीएम के आईपीओ में एक सेलिंग शेयरधारक होने के नाते कम से कम छह महीने तक शेयर खरीदने की अनुमति नहीं थी और अब उस प्रतिबंध के खत्म होने के साथ उन्होंने पेटीएम के शेयर खरीदे हैं।

बता दें कि पेटीएम आईपीओ नवंबर 2021 में लिस्ट हुआ था। आईपीओ की कीमत 2,150 रुपये प्रति शेयर थी।

लेकिन नवंबर में सूचीबद्ध होने के बाद इसमें लगातार गिरावट रही। यह 511 रुपये के अब तक के सबसे निचले स्तर को छू गया है लेकिन कुछ समय से 600 रुपये के दायरे में कारोबार कर रहा है।

जिस शेयर ने राकेश झुनझुनवाला को बनाया 'बिग बुल' आज उसी शेयर ने डुबोया ₹ 3500 करोड़

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। शेयर बाजार के 'बिग बुल' राकेश झुनझुनवाला को अपने ही फेवरेट शेयर से बड़ा नुकसान झेलना पड़ रहा है। इस शेयर ने एक झटके में राकेश झुनझुनवाला के करोड़ों रुपये 'स्वाहा' कर दिए। एक समय था जब राकेश झुनझुनवाला को इसी शेयर से खास पहचान मिली थी। इस शेयर का नाम है- टाइटन । टाइटन कंपनी का शेयरों में लगातार बड़ी गिरावट दर्ज की जा रही है। दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो का यह अहम शेयर आज बीएसई पर 6 फीसदी गिरकर 1,936.55 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट के बाद एक ही दिन में बिगबुल को लगभग ₹ 560 करोड़ का नुकसान हो गया।

पिछले तीन महीने में बिग बुल को टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन में लगभग ₹ 3,500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, क्योंकि इस अवधि के दौरान स्टॉक 29 प्रतिशत गिर गया। बता दें कि टाइटन कंपनी में झुनझुनवाला की होल्डिंग का प्राइस 17 मार्च, 2022 से 3,489 करोड़ रुपये गिर गया। स्टॉक नौ महीने के निचले स्तर ₹ 1,925 पर आ गया और शुक्रवार को इंट्रा-डे ट्रेड में बीएसई पर 7 प्रतिशत नीचे था। शेयर इस साल 21 मार्च को ₹ 2767.55 के सर्वकालिक उच्च स्तर से 31 फीसदी नीचे है। यह 20 जुलाई, 2021 को 52 सप्ताह के निचले स्तर ₹ 1,661 पर पहुंच गया था।

बता दें कि साल 2003 में राकेश झुनझुनवाला ने टाइटन कंपनी में निवेश किया था। टाइटन का शेयर राकेश झुनझुनवाला की किस्मत बनाने वाला शेयर साबित हुआ । इसमें उन्होंने 6 करोड़ शेयर 3 रुपए के भाव पर खरीदे थे। टाइटन घरेलू ब्रांडेड ज्वैलरी मार्केट (तनिष्क, कैरेटलेन, जोया और मिया ब्रांड्स के साथ) और घरेलू कलाई घड़ी सेगमेंट (टाइटन, सोनाटा, फास्ट्रैक और ज़ाइल्स जैसे ब्रांडों के साथ) में मार्केट लीडर है।

एयर एशिया की लखनऊ सेवा पांच अगस्त से, सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड का पहला चरण 20 जून से

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। सस्ती किराया वाली एयर एशिया लखनऊ के लिए 5 शहरों से सेवा शुरू करेगी। बृहस्पतिवार को इसने कहा कि 5 अगस्त से बंगलूरू, दिल्ली, गोवा, कोलकाता और मुंबई से लखनऊ के बीच सेवा शुरू होगी। इन शहरों के बीच रोजाना फ्लाइट्स का आवागमन होगा।

भारत में 5 जी सेवा मार्च, 2023 से शुरू होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फ्रांस में एक कार्यक्रम में कहा कि 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी जुलाई में पूरी हो जाएगी। उसके बाद हम दूरसंचार कंपनियों से इसके बारे में चर्चा करेंगे। इसे अगले साल शुरू किया जा सकता है।

2022-23 के सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड का पहला चरण 20 जून से 5 दिन के लिए खुलेगा। आरबीआई ने कहा कि इसका दूसरा चरण 22 से 26 अगस्त के बीच खुलेगा। इस बॉण्ड की परिवपक्वता अवधि 8 साल की होती है। हालांकि 5 साल के बाद इसमें से निकलने का विकल्प भी होता है। एक वित्तवर्ष में कम से कम एक ग्राम और अधिकतम 4 किलो सोने के लिए निवेश किया जा सकता है। ट्रस्ट 20 किलो सोने के लिए निवेश कर सकता है। 2021-22 में इसे 12,991 करोड़ रुपये (27 टन सोना) के लिए 10 बार लॉन्च किया गया था। ऑन लाइन निवेश पर 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट मिलेगी।

वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भारत निम्न आर्थिक वृद्धि के साथ उच्च महंगाई से निपटने में अन्य देशों से बेहतर स्थिति में है। आरबीआई ने एक लेख में कहा, वैश्विक आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है। जिंसों के ऊंचे दाम और वित्तीय बाजार में उतार-चढ़ाव से अनिश्चितता बढ़ी है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबव्रत पात्रा ने कहा, जीडीपी में शामिल कारकों के कोरोना पूर्व स्तर पार करने के साथ घरेलू आर्थिक गतिविधियां मजबूत हो रही हैं। मई के महंगाई आंकड़ों ने कुछ राहत दी है।

लेख में कहा गया है कि सर्वाधिक कर्ज वाले 5 राज्यों पंजाब, बिहार, राजस्थान, केरल और पश्चिम बंगाल को गैर-जरूरी खर्च घटाने के साथ सुधारात्मक उपाय करने की जरूरत है।

राज्यों की वित्तीय स्थिति दबाव बढ़ने को लेकर चेतावनी का संकेत दे रही है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने दी खुशखबरी, अकाउंट में जमा रकम पर अब ज्यादा मुनाफा

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा के सेविंग अकाउंट में पैसे रखते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। दरअसल, बैंक ने बचत खातों पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। बैंक ने ब्याज दरों में 5 से 10 आधार अंकों की वृद्धि की है।

कितनी होगी ब्याज दरें: बैंक 1 लाख रुपये तक के बचत खाते की रकम पर 2.75 प्रतिशत ब्याज दर देना जारी रखेगा। 1 लाख रुपये से अधिक और 100 करोड़ रुपये से कम की रकम पर भी 2.75 प्रतिशत की ब्याज दर रहेगी। वहीं, 100-200 करोड़ रुपये की जमाराशियों पर 2.90 प्रतिशत की ब्याज दर देने का फैसला लिया है।

इसके अलावा, 200 करोड़ और उससे अधिक लेकिन 500 करोड़ से कम की जमा राशि के लिए बैंक 3.05 प्रतिशत ब्याज दर देना जारी रखेगा। पहले, बैंक 500 करोड़ और उससे अधिक के बचत खाते की राशि पर 3.25 प्रतिशत की ब्याज दर देता था, जो अब 3.35 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि, यह ब्याज दर सिर्फ 1,000 करोड़ से कम पर है। इसके अलावा 1,000 करोड़ रुपये और उससे अधिक पर ब्याज दर 3.30 प्रतिशत थी, लेकिन इसे 5 आधार अंकों की वृद्धि के साथ बढ़ाकर 3.35 प्रतिशत कर दिया गया है।

वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा ने 16 जून, 2022 को 2 करोड़ से कम की फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरें भी बढ़ाई हैं। बैंक की डिपॉजिट पर ब्याज दरें 2.80-5.35 फीसदी तक हो गई हैं। वहीं, सीनियर सिटीजन के लिए ब्याज दरें 3.30-6.35 फीसदी हैं।

इसके अलावा एचडीएफसी बैंक ने 2 करोड़ रुपये से कम की सावधि जमा पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। 17 जून, 2022 को संशोधन के बाद, बैंक ने कई अवधियों पर ब्याज दरों में वृद्धि की गई और वर्तमान में आम जनता को 2.75 प्रतिशत से 5.75 प्रतिशत और वरिष्ठ नागरिकों को 3.25 प्रतिशत से 6.50 प्रतिशत तक की ब्याज दरें दी जा रही हैं।

भारत ने किया पलटवार, सीरीज 2-2 से बराबर

राजकोट, 17 जून (एजेन्सी)। दिनेश कार्तिक (55) और आवेश खान (4/18) की शानदार प्रदर्शन की बदौलत यहां सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए चौथे टी20 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 82 रनों से हरा दिया, जिससे भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-2 की बराबरी की।

भारत के 169 रनों के जवाब में प्रोटियाज की टीम 16.5 ओवर में 87 रनों पर ही सिमट गई। टीम की ओर से रॉस्सी वैन डेर डूसन (20) और क्विंटन डी कॉक (14) ने सबसे ज्यादा रन बनाए। भारत की ओर से आवेश खान ने चार विकेट लिए। वहीं, युजवेंद्र चहल ने दो विकेट झटके, जबकि हर्षल पटेल ने एक विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका पर भारत ने शुरू से दबाव बनाकर रखा, क्योंकि उन्होंने पावरप्ले में दो विकेट खोकर 35 रन बनाए। इससे पहले, कप्तान टेम्बा बावुमा (8) चोट लगने के कारण रिटार्ड हर्ट हो गए। वहीं, सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक (14) और ड्वेन प्रिटोरियस (0) जल्दी चलते बने। इसके बाद, रॉस्सी वैन डेर डूसन और हेनरिक क्लासेन ने पारी को आगे बढ़ाया।

लेकिन 9वें ओवर में दक्षिण अफ्रीका को तीसरा झटका चहल ने क्लासेन (8) को एलबीडब्ल्यू करके दिया। इस बीच, डेविड मिलर और डूसन ने लक्ष्य का पीछा करने का प्रयास किया। लेकिन 10.2 ओवर में मिलर (9) को हर्षल ने बोल्ड कर दिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 59 रनों पर चार विकेट खो दिए। टीम को जीतने के लिए अभी भी 111 रनों की जरूरत थी।

छठे स्थान पर आए मार्को जानसेन ने डूसन के साथ मिलकर कुछ महत्वपूर्ण रन बटोरे। लेकिन विकेट गिरने का सिलसिला अंत तक जारी रहा, क्योंकि 14वें ओवर में आवेश ने डूसन (20), जानसेन (12) और केशव महाराज (0) को बैक टू बैक पवेलियन भेज दिया, जिससे 14 ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 79 रनों पर सातवां झटका लगा। टीम को जीतने के लिए 92 रनों की आवश्यकता थी।

लेकिन, एनरिक नॉर्टजे (1) और लुंगी एनगिडी (4) आउट हो गए, जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 16.5 ओवर में 87 रनों ढेर हो गई, जिससे भारत 82 रनों से यह मैच अपने नाम कर लिया।

इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही, क्योंकि उन्होंने 6.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 40 रन बनाए। इस दौरान, सलामी बल्लेबाजी ऋतुराज गायकवाड़ (5), श्रेयस अय्यर (4) और ईशान किशन (27) जल्द ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद, कप्तान ऋषभ पंत और हार्दिक पांड्या ने लड़खड़ाती पारी को संभाला और कुछ अच्छे शॉट लगाए।

आखिरकार, पांड्या (46), कार्तिक (55) की 33 गेंदों में 65 रनों की साझेदारी की बदौलत भारत 20 ओवर में छह विकेट खोकर 169 रन बनाने में कामयाब रहा। वहीं, अक्षर पटेल (8) और हर्षल पटेल (1) नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी ने दो विकेट चटकाए। वहीं, ड्वेन प्रिटोरियस, मार्को जानसेन, केशव महाराज और एनरिक नॉर्टजे ने एक-एक विकेट लिया। वहीं, भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-2 की बराबरी की। अब निर्णायक मुकाबला रविवार को बेंगलुरु के एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

जो अच्छा खेलेगी गेम वही जीतेगी : ऋषभ पंत

राजकोट, 17 जून (एजेन्सी)। भारत ने तीसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका पर 82 रनों की विशाल जीत दर्ज की। यह रनों के मामले में भारत की दक्षिण अफ्रीका पर सबसे बड़ी जीत है। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की पारी कभी भी लय में नहीं दिखी। इस जीत के साथ 82 भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर की। सीरीज में लगातार दूसरी जीत से कप्तान ऋषभ पंत काफी खुश नजर आए।

चौथा मैच जीतने के बाद ऋषभ पंत ने कहा, ''हम प्लान को सही तरीके से लागू करने और अच्छा क्रिकेट खेलने के बारे में बात करते और देखिए रिजल्ट हमारे सामने है। जो भी टीम अच्छा क्रिकेट खेलती है वो गेम जीतती है। शायद मैं अगले गेम में दाएं हाथ से सिक्का उछालूंगा और पॉजिटिव रहूंगा। हार्दिक के प्रदर्शन से काफी खुश हूं। दिनेश कार्तिक ने शुरू से ही आक्रमक रवैया अपनाया। निजी तौर पर मैं कुछ एरिया में सुधार करने पर ध्यान दे सकता हूं। ज्यादा चिंतित नहीं हूं। पॉजिटिव लेने और सुधार करने की ओर ध्यान है। देखते हैं बेंगलुरु में क्या होता है। अपना 100 प्रतिशत देने पर ध्यान रहेगा।''

कप्तान तेम्बा बावुमा के तीसरे ओवर में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद टीम नियमित अंतराल पर विकेट खोती रही। प्रोटियाज के लिये रासी वैन डर डुसेन ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज़ क्विंटन डिकॉक ने 14 और मार्को जैनसेन ने 12 रन बनाये। इनके अलावा कोई भी अफ्रीकी बल्लेबाज 10 रन भी नहीं बना सका और पूरी टीम 87 रन के न्यून स्कोर पर आउट हो गयी।

भारत के लिये आवेश खान ने चार ओवर में 18 रन देकर चार विकेट चटके जबकि युजी चहल ने चार ओवर में 21 रन के बदले दो विकेट लिये। हर्षल पटेल और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

आईसीसी ने 711 मुकाबलों के मीडिया राइट्स के लिए निकाले 3 पैकेज

दुबई, 17 जून (एजेन्सी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद 2024 से शुरू होने वाले अगले आठ साल के चक्र के लिये अपने वैश्विक टूर्नामेंट के लिये 711 मैच के लिये मीडिया अधिकार निविदा बेचने की प्रक्रिया 20 जून से शुरू करेगा। पैकेज में महिलाओं का अंडर-19 टी20 विश्व कप भी शामिल है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के विपरीत आईसीसी पारंपरिक सीलबंद प्रक्रिया अपनायेगा, जिसमें पुरूष और महिला मैचों के लिये अलग-अलग बोली लगायी जायेंगी। भारतीय बोर्ड ने तीन दिन ई-नीलामी के जरिये इंडियन प्रीमियर लीग मीडिया अधिकार रिकॉर्ड 48,390 करोड़ रूपये में बेचे।

आईसीसी ने पुरूषों और महिलाओं के लिये तीन विशेष पैकेज निकाले हैं, जिसमें दोनों के लिये पैकेज ए में टीवी अधिकार, बी में डिजिटल अधिकार और सी में टीवी और डिजिटल दोनों को रखा गया है। पुरूषों के वर्ग में चार और आठ साल के लिये अधिकार हासिल किये जा सकते हैं। महिलाओं के लिये केवल चार साल के समय के अधिकार हासिल किये जा सकते हैं। पहली बार महिला और पुरुष मुकाबलों के लिए अलग-अलग पैकेज निकाले गए हैं।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने एक बयान में कहा, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट लगातार दर्शकों को आकर्षित करेगा और यह आईसीसी आयोजनों के लिए प्रसारकों ने महत्वपूर्ण रुचि ली है। हमारे एक अरब से अधिक प्रशंसक हैं, जो विश्व स्तर पर खेल को खेलना पसंद करते हैं और वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को क्रिकेट के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए देखना चाहेंगे।

इंग्लैंड ने वनडे में सबसे बड़ा स्कोर बनाने के बाद दर्ज की बड़ी जीत

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। इंग्लैंड मेंस क्रिकेट टीम ने वनडे क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने के बाद नीदरलैंड्स को 232 रनों से करारी मात देकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इंग्लैंड ने एम्सटेलवीन के वीआरए क्रिकेट ग्राउंड पर शुक्रवार को खेले गए पहले वनडे में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने तीन बल्लेबाजों, फिल साल्ट, डेविड मलान और जॉस बटलर के शतकों की बदौलत 4 विकेट पर 498 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वनडे क्रिकेट इतिहास में किसी भी टीम का यह अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। नीदरलैंड्स की टीम इस सबसे बड़े स्कोर के सामने दो गेंद शेष रहते 266 रन पर ढेर हो गई। इंग्लैंड की रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट में यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इंग्लैंड ने इससे पहले, आस्ट्रेलिया को नॉटिंघम में 19 जून 2018 को 242 रनों से करारी शिकस्त दी थी।

499 रनों के सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम स्कॉट एडवर्डस टॉप स्कोरर रहे, जिन्होंने 56 गेंदों पर नाबाद 72 रन बनाए। उनके अलावा मैक्स डॉड ने 55 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से मोईन अली ने सर्वाधिक तीन और डेविड विली, रिस टॉपली तथा सैम कुरैन ने दो-दो विकेट चटकाए।

इंग्लैंड के लिए इस मैच में उसके तीन बल्लेबाजों ने शतक ठोके। इंग्लैंड के वनडे क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब एक ही मैच में तीन बल्लेबाजों ने शतक जमाए हैं। क्रिकेट के जन्मदाता इंग्लैंड वनडे क्रिकेट इतिहास में दुनिया की दूसरी ऐसी टीम बन गई है, जिसके तीन बल्लेबाजों ने एक ही मैच में शतक जमाए हैं। जिन तीन बल्लेबाजों ने शतक ठोके, उनमें फिल साल्ट ने मात्र 93 गेंदों पर 122 रन बनाए। उन्होंने 14 चौके और तीन छक्के लगाए।

उनके अलावा मलान ने अपने वनडे करियर का पहला शतक जमाते हुए 109 गेंदों पर 125 रन की तूफानी पारी खेली। वहीं, बटलर ने केवल 70 गेंदों पर 162 रनों की नाबाद पारी खेली। बटलर ने इस दौरान 7 चौके और 14 छक्के उड़ाए। बटलर को मैन आफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

डेब्यू के 16 साल बाद दिनेश कार्तिक ने लगाई पहली फिफ्टी

राजकोट, 17 जून (एजेन्सी)। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका पर चौथे टी20 में 82 रनों की बड़ी जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने बल्लेबाज के लिए मुश्किल पिच पर 169 रन बना दिए। दिनेश कार्तिक के बल्ले से 27 गेंदों पर 55 रनों की पारी निकली। दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ 87 रनों पर आउट हो गई। 16 साल से टी20 क्रिकेट खेल रहे दिनेश कार्तिक की यह पहली इंटरनेशनल फिफ्टी है।

भारतीय टीम ने 2006 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी20 मैच खेला था। उसमें दिनेश कार्तिक प्लेयर ऑफ द मैच थे। अब एक बार फिर प्लेयर ऑफ द मैच बनने के बाद उन्होंने कहा, '16 साल बाद अर्धशतक लगाकर अच्छा लगा। मुझे इस टीम में सुरक्षित महसूस हो रहा है। पिछले मैच में चीजें मेरे पक्ष में नहीं गई थी लेकिन मेरा समर्थन किया गया। मुझे लगता है अब डीके थोड़ा बेहतर सोचता है। परिस्थितियों को बेहतर तरीके से समझ रहा है और अभ्यास के साथ आता है।'

दिनेश कार्तिक ने अपने इस प्रदर्शन का श्रेय कोच को दिया है। उन्होंने कहा, 'श्रेय मेरे कोच को जाता है, जिनके साथ मैंने खूब अभ्यास किया। दक्षिण अफ्रीका ने बढ़िया गेंदबाज़ी की। हमारे ओपनर अच्छी शुरुआत दे रहे थे लेकिन आज पिच कठिन थी। जब मैं क्रीज पर आया तब हार्दिक ने कहा कि अपना समय लो, लेकिन फिर तेजी से रन बनाओ।'

यह सीरीज अब 2-2 से बराबर हो गई है। बेंगलोर में अंतिम और निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को लेकर कार्तिक ने कहा,' बेंगलुरु मेरा घरेलू मैदान है। मैंने आरसीबी के साथ वहां अभी नहीं खेला है। मुझे पता है कि भारत ने घर पर दक्षिण अफ्रीका को टी20 सीरीज में हराया नहीं है। राहुल भाई टीम को बता रहे हैं कि आपको अच्छा प्रदर्शन करना है और सीरीज जीतने की बातचीत नहीं होती है। सुरक्षित माहौल में हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को कहा जा रहा है।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ 103 रन पर ही ढेर बांग्लादेश

एंटीगुआ, 17 जून (एजेन्सी)। बांग्लादेश की टीम दो टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज के दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट एंटीगुआ में गुरुवार (16 जून) को शुरू हुआ। मैच के पहले दिन मेजबान वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। कप्तान क्रेग ब्रैथवेट का यह निर्णय सही साबित हुआ। विंडीज टीम ने बांग्लादेश को पहली पारी में 103 रनों पर ढेर कर दिया।

बांग्लादेश के लिए कप्तान शाकिब अल हसन ने सबसे ज्यादा 51 रन बनाए। तमीम इकबाल ने 29 और लिटन दास 12 रन बनाए। इन तीनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सका। यहां तक कि टीम के छह बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए। महमूदुल हसन, नजमूल हुसैन, मोमिनुल हक, नूरुल हसन, मुस्तफिरूजर रहमान और खालिद अहमद एक भी रन नहीं बना सके। एबादत हुसैन ने नाबाद तीन और मेहदी हसन ने दो रन बनाए।

बांग्लादेश के छह बल्लेबाज तीसरी बार किसी पारी में खाता नहीं खोल पाए। सिर्फ बांग्लादेश के साथ ही दो या उससे ज्यादा बार ऐसा हुआ है। पिछली बार टीम के छह बल्लेबाज श्रीलंका के खिलाफ इसी साल मीरपुर में खाता नहीं खोल सके थे। उससे पहले 2002 में ढाका में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऐसा हुआ था।

103 रन पर ढेर होने के बाद बांग्लादेशी गेंदबाजों को पहले दिन सिर्फ दो ही सफलता मिली। मुस्तफिजूर ने जॉन कैंपबेल और एबादत हुसैन ने रेमन राइफर को आउट किया। कैंपबेल ने 72 गेंद

पर 24 रन बनाए। उन्हें मुस्तफिजूर ने बोल्ड किया। वहीं, राइफर 26 गेंद पर 11 रन बनाकर एबादत की गेंद पर नूरुल हसन को कैच था बैठे। कप्तान क्रेग ब्रैथवेट 149 गेंद पर 42 और एनक्रूमाह बोनर 43 गेंद पर 13 रन बनाकर नाबाद हैं। वेस्टइंडीज ने दो विकेट पर 95 रन बना लिए हैं। वह पहली पारी में अभी आठ रन पीछे है।

इंग्लैंड पहुंचकर भारतीय टीम ने शुरु किया अभ्यास, कोहली-बुमराह रहे सबसे आगे

लंदन, 17 जून (एजेन्सी)। इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैच के लिए भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी इंग्लैंड पहुंच चुके हैं। इंग्लैंड पहुंचकर इन खिलाड़ियों ने अभ्यास भी शुरू कर दिया है। हालांकि, कप्तान रोहित और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेल रहे खिलाड़ी बाद में इंग्लैंड पहुंचेंगे, लेकिन विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में टेस्ट टीम के अधिकतर खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरू कर दिया है। बीसीसीआई ने इल खिलाड़ियों के अभ्यास सत्र की तस्वीरें भी शेयर की हैं। इसके साथ ही खिला गया है कि लंदन में तैयारी शुरू हो गई है।

भारत के कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ फिलहाल इंग्लैंड नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में टीम तैयारी कर रही है। बीसीसीआई ने जो तस्वीरें शेयर की हैं। उनमें विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह सबसे आगे दिख रहे हैं, जबकि बाकी खिलाड़ी उनके पीछे दौड़ रहे हैं।

विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह के अलावा शार्दुल ठाकुर, शुभमन गिल, हनुमा विहारी, मोहम्मद सिराज और नवदीप सैनी जैसे खिलाड़ी इंग्लैंड में हैं और लंदन में एकमात्र टेस्ट की तैयारी कर रहे हैं।

भारत को इंग्लैंड में एकमात्र टेस्ट खेलना है। यह टेस्ट भारत की अधूरी सीरीज का हिस्सा है, जो पिछले साल खेली गई थी। भारतीय टीम में कोरोना के मामले सामने

आने के कारण खिलाड़ियों ने मैदान में उतरने से मना कर दिया था। इस वजह से टेस्ट सीरीज का आखिरी टेस्ट नहीं हो पाया था। पांच मैचों की सीरीज में भारत 2-1 से आगे हैं और एक मैच ड्रॉ हुआ था। आखिरी टेस्ट ड्रॉ कराकर या जीतकर भारत सीरीज अपने नाम कर सकता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच एक जुलाई से शुरू होगा। बर्मिंघम में होने वाले इस मैच में टीम इंडिया हर हाल में जीत हासिल करना चाहेगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से यह मैच भारत के लिए काफी अहम है।

युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है 'अग्निपथ' योजना : राजनाथ

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में भर्ती की अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे युवाओं की चिंताओं को दूर करने के प्रयास के तहत शुक्रवार को कहा कि यह नयी योजना भारत के युवाओं को देश की रक्षा व्यवस्था से जुड़ने और देश सेवा करने का सुनहरा अवसर है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि कुछ ही दिनों में सेना की भर्ती प्रक्रिया आरंभ होने वाली है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों से अपील की कि वे इसकी तैयारी में जुट जाएं। अग्निपथ योजना के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले दो दिनों से जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच राजनाथ ने सिलसिलेवार ट्वीट कर छात्रों से संवाद किया और उनकी चिंताएं दूर करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत भर्ती की अधिकतम आयु सीमा को 21 साल से 23 साल करने से बहुत सारे युवाओं को सेना में नौकरी करने का अवसर मिल सकेगा।

अग्निपथ योजना के खिलाफ बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश, बिहार सहित कई राज्यों में ट्रेनों में आगजनी, सार्वजनिक और पुलिस के वाहनों को आग लगाने की घटनाएं सामने आई थीं।

राजनाथ ने कहा, केंद्र सरकार द्वारा घोषित की गई अग्निपथ योजना भारत के युवाओं को देश की रक्षा व्यवस्था से जुड़ने और देश सेवा करने का सुनहरा अवसर है। पिछले दो वर्षों से सेना में भर्ती की प्रक्रिया नहीं होने के कारण बहुत से युवाओं को सेना में भर्ती होने का अवसर नहीं मिल सका था।

उन्होंने कहा कि इसलिए युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर सरकार ने अग्निवीरों को भर्ती की आयु सीमा इस बार 21 वर्ष से बढ़ा कर 23 वर्ष कर दी है।

उन्होंने कहा, इस छूट से बहुत सारे युवाओं को अग्निवीर बनने की पात्रता प्राप्त हो जाएगी।

राजनाथ सिंह ने इस योजना के माध्यम से युवाओं के भविष्य की चिंता करने और उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाने के लिए प्रधानमंत्री का हृदय से धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा, मैं युवाओं से अपील करता हूं कि सेना में भर्ती की प्रक्रिया कुछ ही दिनों में प्रारम्भ होने जा रही है। वे इसके लिए अपनी तैयारी शुरू करें।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने दशकों पुरानी रक्षा भर्ती प्रक्रिया में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए तीनों सेनाओं में सैनिकों की भर्ती संबंधी अग्निपथ योजना की मंगलवार को घोषणा की थी, जिसके तहत सैनिकों की भर्ती चार साल की अवधि के लिए संविदा आधार पर की जाएगी।

योजना के तहत तीनों सेनाओं में इस साल करीब 46,000 सैनिक भर्ती किए जाएंगे। चयन के लिए पहले पात्रता आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के बीच तय किया गया था। भर्ती के बाद सेना में शामिल युवाओं को अग्निवीर नाम दिया जाएगा।

झाड़ू का बटन इतना दबाना की खराब हो जाए : केजरीवाल

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार शाम को दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में 'आप' उम्मीदवार दुर्गेश पाठक के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान केजरीवाल ने राजेंद्र नगर के लोगों से कहा कि झाड़ू का बटन इतनी बार दबाना की बटन ही खराब हो जाए।

उन्होंने कहा कि अगर आपको काम करने वाला विधायक चाहिए तो झाड़ू का बटन दबा देना और अगर आपको लड़ाई-झगड़ा करने वाला विधायक चाहिए तो कमल का बटन दबा देना। राजेंद्र नगर विधानसभा उपचुनाव के लिए 23 जून को मतदान होगा और 26 जून को परिणाम घोषित किया जाएगा।

रोड शो के दौरान केजरीवाल ने राजेंद्र नगरवासियों से कहा कि मैं आप लोगों से विनती करने आया हूं जितने अंतर से पिछली बार 'आप' उम्मीदवार को जिताया था उससे ज्यादा अंतर से इस बार जिताना है। आपने पिछले चुनाव में हमें भारी मतों से जिताया था जिसके लिए मैं आपका दिल से शुक्रिया करता हूं।

केजरीवाल ने कहा कि पिछले 7 साल में दिल्ली में खूब काम हुए हैं। आज पूरे देश के सामने दिल्ली वालों को ये कहने में फक्र होता है कि मैं दिल्ली वाला हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को वोट देने का कोई फायदा नहीं है, जहां भी भाजपा के विधायक जीते हैं, सिर्फ लड़ते रहते हैं। मुझे लड़ना नहीं आता, सिर्फ काम करना आता है। भाजपा वाले कुछ काम नहीं करा सकते। बता दें कि, राजेंद्र नगर विधानसभा सीट पर 23 जून को होने वाले उपचुनाव में कुल 1,64,698 मतदाता मतदान के लिए पात्र हैं। कुल योग्य मतदाताओं में 92,221 पुरुष, 72,473 महिलाएं और चार ट्रांसजेंडर हैं। राजेंद्र नगर सीट पर उपचुनाव में योग्य मतदाताओं की संख्या इस सीट पर 2020 के विधानसभा चुनाव से कम है तथा इसका कारण कुछ मतदाताओं का दिल्ली छोड़कर अन्य राज्यों में चले जाना है।

इस उपचुनाव में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें से तीन उम्मीदवार मान्यता प्राप्त दलों- 'आप', भाजपा और कांग्रेस से हैं, जबकि तीन उम्मीदवार गैर मान्यता प्राप्त दलों से हैं। शेष उम्मीदवार निर्दलीय हैं।

आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा के हाल में पंजाब से राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद राजेंद्र नगर सीट रिक्त हो गई, जिस कारण उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी। राघव चड्ढा राजेंद्र नगर सीट से विधायक थे।

इस बार राजेंद्र नगर में जहां 'आप' दुर्गेश पाठक को मौका दिया है, वहीं भाजपा ने पूर्व पार्षद रहे राजेश भाटिया को मैदान में उतारा है। दुर्गेश पाठक ने करावल नगर सीट से 2020 का विधानसभा चुनाव लड़ा था और भाजपा के मोहन सिंह बिष्ट से हार गए थे।

अग्निपथ को तत्काल वापस लिया जाए, पीएम और सरकार नौजवानों से माफी मांगें : कांग्रेस

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस ने अग्निपथ योजना को देशहित के विरूद्ध करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि इस योजना को तत्काल वापस लिया जाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सरकार को देश के नौजवानों से माफी मांगनी चाहिए।

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि सेना की भर्ती की आयुसीमा में तीन साल की छूट दी जाए तथा जरूरत पड़े तो रक्षा एवं सेना से जुड़े पूरे मामले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र या सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'अग्निपथ - नौजवानों ने नकारा, कृषि कानून - किसानों ने नकारा, नोटबंदी - अर्थशास्त्रियों ने नकारा, जीएसटी - व्यापारियों ने नकारा।' उन्होंने आरोप लगाया, 'देश की जनता क्या चाहती है, ये बात प्रधानमंत्री नहीं समझते क्योंकि उन्हें अपने मित्रों की आवाज के अलावा कुछ सुनाई नहीं देता।'

पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट किया, '24 घंटे भी नहीं बीते कि भाजपा सरकार को नयी आर्मी भर्ती का नियम बदलना पड़ा। मतलब, योजना जल्दबाजी में युवाओं पर थोपी जा रही है।'

उन्होंने कहा, 'नरेंद्र मोदी जी, इस योजना को तुरंत वापस लीजिए, वायुसेना की रुकी भर्तियों में नियुक्ति और परिणाम दीजिए। सेना भर्ती को (आयु में छूट देकर) पहले की तरह कीजिए।'

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने संवाददाताओं से कहा, यह योजना सेना के हित में नहीं है। यह भारत के हित में नहीं है। इस सरकार को दूसरे देशों की नकल करने की आदत हो गई है। वह सेना और देश के हितों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकती।

उनका कहना है, सेना में दो लाख से अधिक पद खाली हैं। भर्ती प्रक्रिया तत्काल आरंभ की जाए। देश की सुरक्षा, सेना और देशभक्ति की भावना में कोई वाणिज्यिक हित नहीं हो सकता।

हुड्डा ने सरकार से आग्रह किया, अग्निपथ योजना को अविलंब वापस लिया जाए। भर्ती की आयुसीमा में तीन साल की छूट दी जाए क्योंकि तीन साल से भर्ती नहीं हुई। जिन काबिल नौजवानों ने आत्महत्या की, उनके परिवारों को मुआवजा दिया जाए।

उन्होंने यह भी कहा, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और पूरी सरकार देश के नौजवानों से माफी मांगे।

हुड्डा ने कहा, सरकार को सेना पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रनीति के तहत काम करना चाहिए। रक्षा, सेना और इससे जुड़े मुद्दों पर जरूरी हो तो संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए या फिर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने दशकों पुरानी रक्षा भर्ती प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन करते हुए तीनों सेनाओं में सैनिकों की भर्ती संबंधी अग्निपथ योजना की मंगलवार को घोषणा की थी, जिसके तहत सैनिकों की भर्ती चार साल की अवधि के लिए संविदा आधार पर की जाएगी।

प्रचार के दौरान छलका आजम खां का दर्द, सुनाई जेल यात्रा

शाहबाद (रामपुर), 17 जून (एजेन्सी)। सपा के राष्ट्रीय महासचिव और रामपुर नगर विधायक आजम खां ने गुरुवार की रात में कहा कि बड़े से बड़े अपराधी पर दो माह में सौ से ज्यादा मुकदमे दर्ज नहीं होंगे, लेकिन उनके परिवार और उनके अपनों पर दो माह में ही सैकड़ों मुकदमे लाद दिए गए। उनका गुनाह सिर्फ इतना था कि उन्होंने गरीबों और कौम के बच्चों के हाथ में कलम देने का काम किया, लेकिन मुकदमों का सैलाब उन्हें बहा नहीं सका। कहा कि आज देश नफरत की आग में जल रहा है।

आजम खां गुरुवार की रात में शाहबाद में सपा से उपचुनाव प्रत्याशी आसिम राजा के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। पहले उन्होंने शाहबाद-रामपुर मार्ग पर तालिकाबाद गांव में पूर्व ब्लॉक प्रमुख हरज्ञान सिंह यादव के आवास पर बनाए गए चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया।

इसके बाद नगर के मोहल्ला जिलेदारान स्थित सभास्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने खुद पर हुए जुल्म और ज्यादती का हवाला देकर लोगों की सहानुभूति बटोरने की कोशिश की। कहा कि जेल के उस छोटे से कमरे में कितनी गर्मी हमने सही है। इसका अंदाजा किसी को नहीं है।

आजम ने कहा कि इस चुनाव से सरकार नहीं बदलेगी, लेकिन इतना जरूर मालूम हो जाएगा कि रामपुर वालों की हिस अभी भी जिंदा है। इस मौके पर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष मतलूब अंसारी, वरिष्ठ सपा नेता जावेद खां, वसीम हाशमी, वाहिद बेग, शाकिर धर्मा, शाहनवाज खां उर्फ मीनू, सय्यद शाकिब अली, मासूम मियां एडवोकेट, तकरीररहमान एडवोकेट, निधि गोपाल यादव एडवोकेट, मुनेश यादव एडवोकेट, फहीम अकीम उर्फ बब्बल, सुनील पाण्डेय, अशफाक अहमद एडवोकेट, साबिर सभासद आदि रहे।

सभा के दौरान आजम खां ने वहां मौजूद बच्चों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यही हमारी लड़ाई है कि यह बच्चा इस वक्त यहां नहीं होना चाहिए था। कल सुबह तैयार होकर स्कूल जाता, लेकिन यह बच्चा बेफिक्र बैठा हुआ है क्योंकि इसकी उम्र नहीं है फिक्र करने की। न इसके मां बाप को फिक्र है इसकी। यह बच्चा अपनी बर्बादी के लिए मौजूद है। मां-बाप इसकी बर्बादी को यहीं कहीं बैठे हुए देख रहे होंगे। बस मैंने इस नस्ल के हाथ मे कलम देने की कोशिश की। ताकि ये सड़कों पर झाड़ू न लगाएं, टायर पंचर न जोड़ें, यह मोटरसाइकिल के मैकेनिक न बनें, यह लकड़ी के दस्तकार न बनें। हो सके तो यह डॉक्टर बनें, इंजीनियर बनें, साइंसदां बनें, एक अच्छे हिन्दुस्तानी बनें।

युवाओं के हित में पुनर्विचार करे सरकार : शरद यादव

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। अग्निपथ योजना पर विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। युवाओं के बाद अब राजनीतिक दल भी इसके खिलाफ लामबंद होते दिख रहे हैं। समाजवादी नेता शरद यादव ने भी इस योजना को नौजवानों के लिए उचित न बताते हुए कहा है कि सरकार को इस योजना पर पुनर्विचार करना चाहिये जिससे सेना को भविष्य की चुनौतियों के लिहाज से तैयार किया जा सके। लेकिन इसके साथ युवाओं का भविष्य भी सुरक्षित होना चाहिए।

शुक्रवार को एक बयान जारी करते हुए शरद यादव ने कहा है कि इस योजना से केवल चार साल में रिटायर होने वाले युवाओं को दूसरे क्षेत्रों में नौकरी नहीं मिलेगी। उनके लिए दूसरे क्षेत्र में नौकरियों के बेहतर अवसर नहीं खुले रह जाएंगे। केवल सुरक्षा गार्ड के रूप में उन्हें नौकरी मिल सकती है, लेकिन बहुत से अग्निवीर युवा इसे करना पसंद नहीं करेंगे। अग्निवीर युवाओं के लिए स्किल ट्रेनिंग की योजना भी बहुत आकर्षक नहीं है।

शरद यादव ने कहा है कि सरकार सेना के खर्च को भी लगातार कम कर रही है, लेकिन भारत जैसा देश अपनी विभिन्न चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सेना के आधुनिकीकरण को पीछे नहीं छोड़ सकता। लिहाजा केंद्र सरकार को ऐसा रास्ता तैयार करना चाहिए जिससे आवश्यक के अनुरूप सेनाओं का आधुनिकीकरण भी किया जाए और युवाओं का भविष्य भी सुरक्षित रहे।

दिल्ली में 'अग्निपथ' योजना के खिलाफ आईटीओ पर प्रदर्शन

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के खिलाफ दिल्ली के आईटीओ पर लेफ्ट के छात्र संगठन आइसा ने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन को देखते हुए आईटीओ मेट्रो के गेट नंबर पांच को बंद कर दिया गया।

तीनों सेनाओं में भर्ती की केंद्र सरकार की 'अग्निपथ' योजना की वापसी की मांग को लेकर शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में आईटीओ पर वाम दल समर्थित ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के सदस्यों और आम आदमी पार्टी (आप) के छात्र संगठन छात्र युवा संघर्ष समिति ने विरोध प्रदर्शन किया।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते ये छात्र आईटीओ दिल्ली मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 5 से पुरानी दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बीच सड़क पर धरने पर बैठ गये। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने बताया है कि आईटीओ मेट्रो स्टेशन और ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन के सभी दरवाजे प्रदर्शन के कारण बंद कर दिये गये हैं। इसके अलावा दिल्ली गेट और जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन के दरवाजे भी बंद हैं।

छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सहित सुरक्षाबल के जवानों ने उन्हें धरने से उठाया। कई प्रदर्शकारियों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि उन्हें अनुबंध की नौकरी नहीं चाहिए। उसने कहा, ''हम उसके बाद क्या करेंगे। हमारा जीवन और करियर दोनों दांव पर लगा है। सरकार को इसे वापस लेना चाहिए।''

आइसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन साई बालाजी ने कहा कि सरकार सेना के पेशेवर रवैये और देश की सुरक्षा को चुनौती देने वाली नीति के खिलाफ विरोध के आवाजों को चुप नहीं करा सकती है। यह योजना उन युवाओं के जीवन को बर्बाद करेगी जो अनुबंध के तहत सेना का हिस्सा बनने के लिए नियुक्त किए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को तीनों सेनाओं में भर्ती के लिए 'अग्निपथ' भर्ती योजना को मंजूरी दी थी। इस चयन प्रक्रिया तहत नियुक्त किए जाने वाले जवानों को 'अग्निवीर' के नाम से जाना जाएगा। इस साल करीब 46,000 'अग्निवीर' की भर्ती होगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि यह योजना एक परिवर्तनकारी पहल है और इसके तहत युवाओं को सेना में जाने का मौका मिलेगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और सशस्त्र सेना में युवाओं की संख्या बढ़ेगी।

सरकार द्वारा परिवर्तनकारी और ऐतिहासिक कदम कही जा रही इस 'अग्निपथ' योजना का लेकिन देश के कई राज्यों में व्यापक स्तर पर विरोध हो रहा है।

उम्मीद नहीं थी इतना विरोध होगा... 'अग्निपथ' बवाल पर बोले नेवी चीफ

नई दिल्ली, 17 जून (एजेन्सी)। केंद्र सरकार की ओर से देश की तीनों सेनाओं के लिए शुरू की गई अग्निपथ योजना का देश के कई हिस्सों में जमकर विरोध हो रहा है। शुक्रवार को भी बिहार, यूपी, बंगाल, तेलंगाना समेत कई राज्यों में प्रदर्शन और आगजनी की घटना सामने आई। अग्निपथ योजना के विरोध के नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार का बड़ा बयान सामने आया है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि उन्हें योजना को लेकर इस तरह के व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शन की उम्मीद नहीं थी।

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा, 'मुझे इस तरह के किसी विरोध प्रदर्शन की उम्मीद नहीं की थी। हमने करीब डेढ़ साल तक अग्निपथ योजना पर काम किया...'। अग्निपथ योजना को परिवर्तनकारी बताते हुए एडमिरल कुमार ने कहा, यह भारत में निर्मित और भारत के लिए बनाई गई योजना है।

इस योजना को वापस लेने की मांग को लेकर युवाओं के एक वर्ग की ओर से देश भर में विरोध के बीच, नौसेना प्रमुख ने कहा, 'मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि वे विरोध न करें और हिंसक न हों। उन्हें योजना को समझना चाहिए और शांतिपूर्ण रहना चाहिए। युवाओं के लिए देश की सेवा करने का यह एक शानदार अवसर है।'

थल सेना, नौसेना और वायु सेना में चार साल की अवधि के लिए जवानों की भर्ती की अग्निपथ योजना के खिलाफ बुधवार से कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। चार साल की सेवा के बाद इस योजना के तहत भर्ती जवानों में से 75 प्रतिशत को बिना ग्रैच्युटी और पेंशन लाभ अनिवार्य रिटायरमेंट दी जाएगी।

अग्निपथ योजना के तहत वायुसेना की ओर से चयन प्रक्रिया 24 जून से शुरू होगी। वायुसेना प्रमुख वी आर चौधरी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि 2022 के लिए अग्निपथ योजना के तहत (सशस्त्र बल में) भर्ती किये जाने वालों की उम्र सीमा बढ़ा कर 23 वर्ष कर दी गई है, जिससे सशस्त्र बल में भर्ती के नए 'मॉडल' के तहत युवाओं के एक बड़े हिस्से को शामिल किया जा सकेगा।

असम में बाढ़ से हालात बदतर, 25 जिलों में 11 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी, 17 जून (एजेन्सी)। पिछले तीन-चार दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से असम में हलात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। असम समेत पूर्वोत्तर राज्यों, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भी बाढ़ और भूस्खलन की वजह से बुरे हालात हैं। असम के करीब 25 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, इससे करीब 11 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। बाढ़ की वजह से 1,702 गांव प्रभावित हुए हैं जिसकी वजह से 68,000 लोग 150 राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर हुए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि राज्य के कई इलाकों में ब्रह्मपुत्र, मानस, गौरांग, कोपिली और पगलादिया नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर है। असम में 17 जून तक बारिश का अलर्ट है। वहीं, बाढ़ के चलते करीब 19,782.80 हेक्टेयर फसल भूमि पानी में डूब गई है। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 72 राजस्व मंडलों के अंतर्गत आने वाले 1,510 गांव में पानी भरा है। प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

सरकार ने बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए चार समितियां बनाई हैं। हर समिति को एक कैबिनेट मंत्री लीड करेगा। केंद्रीय जहाज, जलमार्ग और बंदरगाह मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ बैठक की और मौजूदा हालात की जानकारी ली। इधर, बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर और निर्देशक रोहित शेट्टी ने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए सीएम राहत कोष में 5 लाख रुपये दिए हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने दोनों का आभार जताया है।

इधर, ताजा घटना में शोणितपुर जिले में जियाभराली नदी में नाव पलटने से एक शख्स डूब गया, जबकि उस पर सवार अन्य तीन यात्रियों बचा लिया गया। वहीं, असम में बाढ़ और भूस्खलन से इस साल अब तक मरने वालों की संख्या बृहस्पतिवार को 46 तक पहुंच गई, जब भूस्खलन में घर गिरने से दो बच्चे जिंदा दफन हो गए। अधिकारी के मुताबिक गुवाहाटी के कुछ क्षेत्रों समेत डिमा हसाउ, ग्वालपाड़ा, होजाई, कामरूप और कामरूप (मेट्रो) के कुछ हिस्सों में भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं।

मेघालय में बारिश के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग 6 के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जिसकी वजह से त्रिपुरा, दक्षिणी असम, मिजोरम और मेघालय के कुछ हिस्सों को जोड़ने वाले अहम राजमार्ग को फिलहाल बंद कर दिया गया है।

वहीं, अरुणाचल प्रदेश में सुबनसिरी नदी का जल स्तर बढ़ने से एनएचपीसी की निर्माणाधीन परियोजना पर कार्यरत लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com